जौनपुर
से प्रकाशित
सोमवार, 07 सितंबर 2026
वर्ष - 3, अंक-203
मुल्य-2, पृष्ठ-8

संरक्षक : स्व. विजय कुमार

हिन्दी दैनिक

पूर्वांचल लाईफ

website: purvanchalife.in

अगले सप्ताह 15 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 9 शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली। सोमवार यानी सात सितंबर से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में अच्छी हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह 15 कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें 11 कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष चार आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह चार सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एकआईपीओ में भी इस सप्ताह आठ सितंबर तक बोली लगाई जा सकती है।

संपादकः स्वतंत्र कुमार " मंटू" | स्थानीय संपादक : मनीष श्रीवास्तव | उप संपादकः स्वामी नाथ | e-mail-purvanchalife@gmail.com

अक्सर अपने ही खोदे गड्ढे में गिरती है कांग्रेस : पंकज सीबी मिश्रा

पूर्वांचल लाईफ

कांग्रेस के कर्ता धर्ता बने घूम रहें राहुल गाँधी की सनातन विरोधी गतिविधियों ने कांग्रेस को वापस वही धकेल दिया जहां वो 2014 के पहले खड़े थे। मनुस्मृति को जलाने वाले कभी भारतीय राजनीति में शीर्षत्व को प्राप्त नहीं कर पाते यह राहुल गाँधी को इतिहास से सीखना चाहिए और ऊपर से दलित शोषण का झूठा प्रोपोगेंडा लेकर आप कितने समय तक देश की जनता को मुर्ख बनाते रहेंगे। राहुल गाँधी को नफरत की राजनीति पसन्द है और उनके इसी विचार का खामियाजा आज कांग्रेस उठा रही। आपके ही दल के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ कथित रूप से उत्तराखंड में दलित होने के कारण जो भेदभाव का प्रोपोगेंडा आपने फैलाया उसका सच बाहर आ ही गया और आप पर ही दलित शोषण का मुकदमा दर्ज हुआ जो यह बताने को काफी है कि राहुल जी आप दलित जातिवाद की राजनीति करते है। अब जनता आप के विचारों पर थूक रही राहुल गाँधी जी। जो हुआ, वह आपकी कुंठा का परिणाम है। 29 अगस्त को राहुल गांधी ने आवाज़ उठाई और कहा कि छुआछूत हुआ है जो कानूनन अपराध है, ऐसा करने वालों पर तुरंत मुकदमा दर्ज हो, पर वही शोषित वर्ग वहां शुद्धिकरण कर रहा था और आपने उसे ही ट्रोल करने की चाल चली पर 30 अगस्त को राहुल गांधी के ख़िलाफ़ ही एफ़आईआर दर्ज करवा दी गई। कहा गया है कि आप अपने बनाए गड्ढे में एक बार जरूर गिरेंगे। राहुल ने दलितों की भावना का अपमान किया है और समाज में जातिवाद का जहर में घोलने का प्रयास। आजकल 'अंबेडकर,अंबेडकर, अंबेडकर बोलना फैशन हो गया है महापुरुषों के नाम पर सवर्णों को प्रताड़ित करना इन नेताओं की आदत। अब इनकी कप थ्योरी भी काफ़ी चर्चित है। तब इस बयान के बाद ही देश को समझ जाना चाहिए था कि राहुल के मन में संविधान के लिए कोई सम्मान नहीं है और दलितों को वह कमतर मानते है। वेदों से लेकर मनुस्मृति तक से नफरत करने वाली कांग्रेस और सपा हिंदू समाज के लिए निर्धारित योग्यता नहीं रखती और वर्णव्यवस्था पर ही सवाल खड़े कर जातिवाद फैला रही। हम सबको इसका



यकीन है कि हल्द्वानी में लगा मुकदमा आम व्यक्ति पर लगे मुकदमे सा असर दिखाए और राहुल गाँधी गिरफ्तार हो वरना संविधान का असर केवल आम जनता और गरीबों पर होता है यही माना जायेगा और फिर संविधान भी बदलने की बात उठने की आशंका होगी। आठ अगस्त को उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रामलीला मैदान के मंच से सार्वजनिक सभा की थी सूत्रों की माने तो वहां कांग्रेसी कार्यकर्ताओ ने जमकर गंदगी फैलाई। बॉटल में यूरिन भरकर फेका , चुकी वह रामलीला स्थल था तो उस स्थल का शुद्धिकरण 11 अगस्त को किया गया जिसे जातिवादी रंग देकर पहले खड़गे ने सिम्पथी लेने का प्रयास किया बाद में चिराग पासवान और राहुल गाँधी जैसे पॉलिटिशियन इस पर राजनीतिक रोटियां सेकने बैठ गए जिसे जनता ने ना सिर्फ नाकारा अपितु इन दोनो नेताओं को इनकी औकात दिखा दी। कुछ लोगों ने हवन-यज्ञ और 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम को खड़गे की जाति से जोड़ा जबकि हवन भी खड़गे के ही जाति के लोगो ने किया तो वह मशाला नहीं मिल पाया। कार्यक्रम में गंगाजल का छिड़काव भी किया गया जिसे सवर्ण समाज का प्रोपोगेंडा कहकर सवर्णों को बदनाम किया गया। कांग्रेस ने इसे खड़गे की दलित पहचान से जोड़ते हुए भाजपा और आरएसएस की कथित मानसिकता पर सवाल उठाए तो जनता ने उल्टे राहुल गाँधी को ही ट्रोल कर दिया। वहीं भाजपा की ओर से कहा गया कि रैली के बाद मैदान में गंदगी थी और धार्मिक स्थल पर आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे, इसलिए वहां धार्मिक अनुष्ठान किया गया। आपत्तिजनक नारों को समुदाय विशेष से जोड़ा गया। फ़िलहाल देश को आज की तारीख़ तक पता नहीं है कि इस मुद्दे पर संसद ने कोई जांच कराई या नहीं पर उत्तराखंड सरकार ने दूध का दूध और पानी का पानी कर राहुल गाँधी को लज्जित कर दिया। जांच-पड़ताल शुरु होते ही खड़गे ही दोषी निकले क्यूंकि उनकी ही पार्टी के कार्यकर्ताओ ने कूड़ा करकट फ़ैलाया था, और खड़गे जी के साथ कोई भेदभाव नहीं हुआ था। राजनीति में हार से हताश राहुल गाँधी कप थ्योरी लेके आए जहाँ उन्होंने बताया कि चाय-नाश्ते की दूकानों पर दलितों को कागज के कप में चाय दी जाती है जबकि सच्चाई से सब वाकिफ है। दलितों को उसी कुएं से पानी नहीं लेने दिया जाता, जहां तथाकथित ऊंची जातियों के लोग आते हैं ऐसा कहकर राहुल ने अपनी राजनीति को कुएं में धकेल दिया। दलित दूल्हा बिना हेलमेट घोड़ी पर नहीं चढ़ सकता यह कथन केवल पप्पुगिरी का नतीजा है, अगर चढ़े तो उसे सुरक्षा उपाय करने पड़ते हैं यह बीती बात थी जो कांग्रेस के समय होती थी । इन सारी घटनाओं को केवल मुंहजुबानी राहुल गांधी ने नहीं कहा, बल्कि उनके वीडियो और तस्वीरें भी दिखा दीं पर यह बताना भूल गए कि यह सब कांग्रेस के शासन में चरम पर था। आज सब बराबर है और अब आरक्षण तक पर समीक्षा हो रही।

रक्षा मंत्री तीन दिवसीय दौरे पर श्रीलंका जाएंगे, द्विपक्षीय रक्षा और समुद्री सुरक्षा पर होगी वार्ता

दोनों देशों के रिश्तों को भी और मजबूत करेगा श्रीलंका दौरा

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 08 से 10 सितंबर तक श्रीलंका के आधिकारिक दौरे पर जाएंगे। इस दौरान राजनाथ सिंह श्रीलंका के नेतृत्व और कोलंबो में भारतीय समुदाय से बातचीत करेंगे। वह रक्षा और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों वाले उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का श्रीलंका दौरा पारंपरिक रूप से मजबूत और दोस्ताना दोनों देशों के रिश्तों को और भी मजबूत करेगा। रक्षा मंत्री के इस दौरे का मकसद भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय रक्षा और समुद्री सुरक्षा साझेदारी को मजबूत करना है। वे श्रीलंका के राष्ट्रपति और रक्षा मंत्री अनुरा कुमारा दिसानायके, प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या और रक्षा सचिव संपथ थुयाकोंथा से मुलाकात करेंगे। राजनाथ सिंह कोलंबो में वहां रहने वाले भारतीय प्रवासियों (भारतीय समुदाय) से भी बातचीत करेंगे। उनके साथ रक्षा और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी इस उच्चस्तरीय यात्रा में शामिल



होंगे। दौरे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 5 अप्रैल, 2025 को कोलंबो यात्रा के दौरान साइन किए गए भारत-श्रीलंका रक्षा सहयोग समझौता ज्ञापन को पूरी तरह और समय पर लागू करने समीक्षा भी किये जाने की उम्मीद है। भारत और श्रीलंका के बीच पांच साल का यह समझौता दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग और हिंद महासागर में साझा सुरक्षा चिंताओं को दूर करता है। इस एग्रीमेंट में कई एरिया शामिल हैं, जिसमें संयुक्त सैन्य अभ्यास को बढ़ाना, क्षमता निर्माण, मानवीय सहायता और आपदा राहत सहयोग और दोनों देशों के नेवी वेसल के पोर्ट कॉल बढ़ाना शामिल है। इसमें रक्षा उद्योग में सहयोग के मौके तलाशने का भी प्रावधान है। पांच साल के लिए वैध यह एग्रीमेंट दोनों में से कोई भी पक्ष तीन महीने पहले नोटिस देकर खत्म कर सकता है। इसे आपसी एग्रीमेंट से तीन साल के लिए और बढ़ाया भी जा सकता है। भारत और श्रीलंका के बीच गहरे सभ्यतागत रिश्ते और कई तरह की साझेदारी है, जो क्षेत्रीय सुरक्षा, रक्षा, आर्थिक और व्यापार सहयोग और लोगों के बीच मजबूत रिश्तों पर आधारित है। दोनों देशों के रिश्तों को और बढ़ावा तब मिला, जब भारत ने आर्थिक संकट के दौरान श्रीलंका की मदद की। इसके अलावा 2025 में श्रीलंका में आए साइक्लोन दितवाह के बाद सबसे पहले मदद करने वालों में से एक रहा। भारत ने 'नेबरहुड फर्स्ट' पॉलिसी पर लगातार प्रतिबद्धता पर जोर दिया और क्षेत्र में सुरक्षा और विकास के लिए आपसी और समग्र तरक्की के विजन को दिखाया।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने ईरान का जहाज डूबोया, कहा- समुद्र की तलहटी में अपनी नौसेना से जा मिला



वाशिंगटन/तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य संघर्ष के बीच तनाव और बढ़ गया है। अमेरिका की केंद्रीय कमान ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में ईरान से जुड़े एक और तेल टैंकर पर हमला किया, जिसके बाद जहाज डूब गया। अमेरिकी पक्ष के अनुसार, यह कार्रवाई ईरान के पेट्रोलियम ढांचे के खिलाफ हाल के दशकों में की गई महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाइयों में से एक है। अमेरिकी केंद्रीय कमान के मुताबिक, एमटी काइलो नामक तेल टैंकर को ओमान की खाड़ी में निशाना बनाया गया। कोमोरोस का झंडा लगे इस जहाज को नॉक्सन के नाम से भी जाना जाता था। अमेरिकी कमान ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्यकर्मियों की कार्रवाई के बाद जहाज समुद्र की तलहटी में पहुंच गया। इससे पहले अमेरिकी केंद्रीय कमान ने शनिवार को तीन ईरानी तेल टैंकरों पर हमला करने का दावा किया था। उसके अनुसार, एमटी डाउनी और एमटी स्टार्क-1 हमले में स्थायी रूप से निष्क्रिय हो गए, हालांकि दोनों जहाज पानी पर तैरते रहे। वहीं, एमटी काइलो डूब गया। अमेरिका की ओर से इन कार्रवाइयों को ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान का हिस्सा बताया गया है।

झारखंड के कैबिनेट मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू का हार्ट अटैक से निधन



गिरिडीह/रांची। झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के वरिष्ठ नेता सुदिव्य कुमार सोनू का शनिवार देर रात अचानक निधन हो गया। वे गिरिडीह स्थित अपने आवास पर थे। रात में सोने के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें तुरंत गिरिडीह के निजी मर्सी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद सुबह करीब 4 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उनके निधन पर राज्य सरकार ने दो दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है। इलाज करने वाले डॉक्टर शहजाद शेख के अनुसार, मंत्री सुदिव्य सोनू को रात लगभग 2:15 बजे अस्पताल लाया गया था। उन्हें पिछले दो घंटे से सीने में तेज दर्द की शिकायत थी, अस्पताल पहुंचने पर उन्हें उल्टी हुई, जो उनके फेफड़ों में चली गई थी। डॉक्टरों ने तत्काल सांस की नली साफ कर ईसीजी किया, जिसमें स्पष्ट रूप से हार्ट अटैक के लक्षण दिखे। अत्यधिक कम बीपी और गिरती स्थिति के बीच डॉक्टरों ने उन्हें सीपीआर दिया, लेकिन 10 से 15 मिनट के भीतर ही उन्होंने दम तोड़ दिया। वे पहले से भी बीपी और शुगर की बीमारी से ग्रस्त थे। अस्पताल से पार्थिव शरीर उनके गिरिडीह स्थित आवास पर लाया गया है, जहां समर्थकों और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सुदिव्य सोनू का पार्थिव शरीर विधानसभा नहीं लाया जाएगा; उनका अंतिम संस्कार आज ही गिरिडीह के उसरी नदी घाट स्थित हरसिंहरायडीह श्मशान घाट पर संपन्न होगा।

सत्य निकेतन के पास इमारत गिरी, कई लोगों के फंसे होने की आशंका

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में रविवार को बारिश के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के पास सत्य निकेतन में एक इमारत गिर गई, जिसमें कई लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रहा है। दमकम विभाग को इसकी सूचना दोपहर करीब 1.30 बजे मिली। पुलिस व बचावकर्मी इमारत के मलबे को हटने और राहत एवं बचाव कार्य जुटे गए है। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना से चिंता जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएम), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), दिल्ली फायर सर्विस, दिल्ली पुलिस, एमसीडी और सिविल डिफेंस की टीमें युद्ध स्तर पर बचाव कार्य कर रही हैं। एहतियात के तौर पर बगल की इमारत को खाली करा लिया गया है। फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने और प्रभावित परिवारों को तुरंत मदद पहुंचाने की हर संभव कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालात पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और सभी संबंधित एजेंसियां आपसी तालमेल के साथ काम कर रही हैं। हर नागरिक की सुरक्षा और भलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने एक्स पोस्ट करते करते हुए कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस के पास सत्य निकेतन में इमारत गिरने की खबर बेहद चिंताजनक है। मलबे में डीयू के छात्रों के दबे होने की जानकारी सामने आ रही है। छात्रों और आम लोगों की सुरक्षा के साथ लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने डीयू प्रशासन और सरकार तुरंत युद्धस्तर पर राहत-बचाव कार्य चलाएं, हर छात्र और व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालें और इस घटना की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करें। छात्रों की जान के साथ लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मेरे बाप के गिरेबान तक कोई हाथ पहुंचा है तो ये मेरी गलतीः स्मृति

एजेंसी। नई दिल्ली

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी हाल ही में एक पॉडकास्ट इंटरव्यू के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में बात करते हुए भावुक हो गईं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने पिता की उम्र का बताते हुए एक बड़ा और गहरा बयान दिया, उन्होंने कहा मेरी पिता के उम्र के हैं। मेरे बाप के गिरेबान तक अगर आपका हाथ पहुंचा है तो ये मेरी गलती है। यह बयान पीएम मोदी के प्रति उनके व्यक्तिगत सम्मान और समर्पण को दर्शाता है। इस इंटरव्यू में उन्होंने कई मुद्दों पर खुलकर बात की, जिसमें पीएम मोदी के कार्यों की जमकर तारीफ की। स्मृति ईरानी ने प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली



और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण का उदाहरण देते हुए सरदार सरोवर बांध परियोजना का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे 1946 में सरदार पटेल ने एक बांध की कल्पना की थी, 1961 में नेहरू जी ने उसका शिलान्यास किया, लेकिन 1980 तक वह बन ही नहीं पाया। फिर 1995 में कोई सुप्रीम कोर्ट जाता है और काम पर रोक लगा दी जाती है। इसके बाद, 2006-07 के आसपास नरेंद्र मोदी को पता चलता है कि यह काम आगे बढ़ाना है। वे उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखना शुरू किया और सीमा पर जाकर वहां के बीएसएफ जवान से मिले, जिसने बताया कि कैसे पीने का पानी दूर से लाना पड़ता है और कुछ करने की गुहार लगाई। मोदी ने उन सभी बातों को नोट किया और तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पत्र लिखा कि बांध की ऊंचाई को 17 मीटर बढ़ाना है, लेकिन उन्हें अनुमति नहीं मिली। इसके बाद 2014 में जब वे प्रधानमंत्री बने, तो उन्होंने 17 दिन के भीतर ही बांध की ऊंचाई 17 मीटर बढ़ाने की अनुमति दे दी, जिससे चार करोड़ लोगों को पानी मिला। ईरानी ने इस उदाहरण के माध्यम से पीएम मोदी की दूरदर्शिता, दृढ़ता और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता को रेखांकित किया। संसद में बहस को लेकर भी ईरानी ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि पिछले संसद सत्र में गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट रूप से कहा था कि सरकार किसी भी मुद्दे पर बहस करने को तैयार है और वे रोजाना संसद जा रहे थे, जिसके पत्रकार भी गवाह हैं। जब उनसे पूछा गया कि वे सदन में क्यों नहीं गईं, तो उन्होंने जवाब दिया कि क्योंकि सदन चल ही नहीं रहा था। लोकसभा चुनाव में अमेठी से हारने के बाद दो सालों तक स्मृति ईरानी को कोई अहम जिम्मेदारी नहीं दी गई थी, जिससे उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं।

विदेश राज्य मंत्री ने सऊदी अरब के मंत्री सुलेमान अल-राजही से की मुलाकात



नई दिल्ली/रियाद। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने रविवार को सऊदी अरब के मानव संसाधन एवं सामाजिक विकास मंत्री इंजीनियर अहमद बिन सुलेमान अल-राजही से यहां मुलाकात की। कीर्ति वर्धन सिंह ने एक्स पर लिखा, "सऊदी अरब के मंत्री अहमद बिन सुलेमान अल-राजही से मिलकर खुशी हुई। श्रम तथा जनशक्ति क्षेत्र में भारत-सऊदी अरब के सहयोग को और मजबूत करने पर व्यापक चर्चा हुई, जो हमारी रणनीतिक साझेदारी की गहराई और बढ़ती गति को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि कीर्ति वर्धन शनिवार को सऊदी अरब की द्विपक्षीय यात्रा के लिए रियाद पहुंचे। यहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यहां उन्होंने अपने समकक्षों के साथ सार्थक बैठकों और वहां भारतीय समुदाय के सदस्यों तथा व्यापारिक नेताओं के साथ उपयोगी बातचीत की।

रामगढ़ में चोरों ने गहने और नकदी पर किया हाथ साफ

जौनपुर। मीरगंज थानांतर्गत आने वाले रामगढ़ गांव में बीती रात चोरों ने अवधेश कुमार दूबे के घर च 62 हजार की नकदी और गहनों पर हाथ साफ कर दिया। उन्होंने ने बताया की एक दिन पहले कृष्ण जन्माष्टमी थी और रात में ज्यादा देर तक जगने के कारण उनके घर के पुरुष और रिश्तेदार अगली रात बरामदे में सो रहे थे उसी समय चोर घर में घुसे और औरतों के कमरे की कुंडी बाहर से बंद करके दूसरे कमरे में रखे नकद और गहने लेकर बाथरूम के



रास्ते चम्पत हो गये। सुबह ताला टूटा देख परिवार पर वज्रपात हो गया। उन्होंने बताया कि घर का बाउंड्री वॉल बनवाने के लिए पैसा रखा हुआ था। चोरी की सूचना उन्होंने 112 नम्बर पर डायल कर पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया।

विद्यालयी समस्याओं के समाधान और संस्कारयुक्त शिक्षा पर जोर

पूर्वांचल लाईफ/मुन्ना राय

सेवरही, कुशीनगर। यूनिटी ऑफ प्राइवेट स्कूल कुशीनगर के तत्वावधान में रविवार को अंबिका पब्लिक स्कूल, सेवरही में संगठन की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में निजी विद्यालयों से संबंधित विभिन्न समस्याओं, उनके समाधान तथा विद्यालयों के बेहतर संचालन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के अध्यक्ष संतोष मिश्रा ने कहा कि विद्यालय परिवार में कार्यरत सभी कर्मचारियों के मान-सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक एवं कर्मचारी विद्यालय व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, इसलिए उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय और परिस्थितियों को देखते हुए बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ संस्कारयुक्त एवं नैतिक



शिक्षा भी प्रदान की जानी चाहिए, ताकि विद्यार्थी शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार और जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित कर सकें। बैठक में विद्यालयों के समक्ष आने वाली समस्याओं पर आपसी विचार-विमर्श कर उनके समाधान के लिए संगठन की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया गया। बैठक में संगठन से जुड़े पदाधिकारी एवं निजी विद्यालयों के संचालक मौजूद रहे।

गिद्ध संरक्षण के लिए सुरक्षित क्षेत्रों के निर्माण पर जोर

पंचकुला। अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस 2026 के अवसर पर रविवार को हरियाणा के पंचकुला में 'संकट से उबरना-भारत के गिद्धों का संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री राव नरबीर सिंह तथा केंद्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, हरियाणा वन एवं वन्यजीव विभाग, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी और पिंजोर स्थित जटायु संरक्षण प्रजनन केंद्र के सहयोग से किया गया। कार्यशाला में वरिष्ठ वन अधिकारी, वैज्ञानिक, पशु चिकित्सक, चिड़ियाघर विशेषज्ञ, संरक्षण कार्यकर्ता और अन्य संबंधित पक्षों ने भाग लिया।



गिद्ध प्रकृति की सफाई व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा : भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का पर्यावरण संरक्षण दृष्टिकोण समग्र पारिस्थितिकी तंत्र आधारित है। यह किसी एक प्रजाति तक सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न वन्यजीव प्रजातियों और उनके पर्यावासों के संरक्षण पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि भारत विभिन्न प्रकार के निवासी और प्रवासी गिद्धों का महत्वपूर्ण आवास है। इनमें सफेद-पूंछ वाले, लंबी चोंच वाले, पतली चोंच वाले, लाल सिर वाले, मिस्र के गिद्ध, हिमालयी ग्रिफॉन, यूरेशियाई ग्रिफॉन, सिनेरियस और दाढ़ी वाले गिद्ध शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने गिद्धों की पारिस्थितिक भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि वे प्रकृति की सफाई व्यवस्था के रूप में काम करते हैं। मृत पशुओं के शवों को तेजी से खाकर वे पोषक तत्वों के पुनर्चक्रण में सहायता करते हैं और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसी चुनौतियों के बीच भारत में 1990 के दशक से गिद्धों की आबादी में तेज गिरावट देखी गई है। इसके प्रमुख कारणों में उनकी खाद्य श्रृंखला में व्यवधान और पशुओं के उपचार में इस्तेमाल की जाने वाली कुछ दर्द निवारक दवाओं का गिद्धों पर प्रतिकूल प्रभाव शामिल है। उन्होंने गिद्ध संरक्षण के लिए 'संपूर्ण सरकार और 'संपूर्ण समाज के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने गिद्ध-सुरक्षित पशु चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने, गिद्धों के लिए सुरक्षित क्षेत्र विकसित करने, सुरक्षित भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा वन्यजीव संरक्षण के लिए तकनीकी क्षमता को मजबूत करने का आह्वान किया।

राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ जीतेंद्र मिश्रा के नाम से वायरल शराब पीकर नाचने का वीडियो फर्जी, नवंबर 2025 का निकला

नई दिल्ली। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के नवनियुक्त पूर्णकालिक सीईओ सेवानिवृत्त एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा के नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वायरल किया जा रहा एक वीडियो फर्जी निकला है। वीडियो में एक व्यक्ति शराब की बोतल या गिलास सिर पर रखकर उत्साह में नाचता दिखाई दे रहा है। दावा किया गया कि राम मंदिर ट्रस्ट का सीईओ नियुक्त होने के बाद जीतेंद्र मिश्रा शराब पीकर पार्टी कर रहे हैं। हालांकि, जांच में सामने आया कि वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा व्यक्ति जीतेंद्र मिश्रा नहीं है और यह वीडियो उनकी नियुक्ति से करीब 10 महीने पहले नवंबर 2025 में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया था। फैक्ट चेक सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने गलत व्यक्ति को राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ के रूप में पेश किए जाने पर आपत्ति जताई।

पीएम के दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यक्रम पर खरगे बोले- संवाद के बजाय हुआ राजनीतिक प्रचार

नई दिल्ल। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के कार्यक्रम को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्यक्रम युवाओं, शिक्षा और उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सार्थक संवाद का अवसर हो सकता था, लेकिन इसे राजनीतिक प्रचार में बदल दिया गया। मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर रविवार को कहा कि लोकतंत्र में सरकार की कार्यप्रणाली अपनी नाकामियों को छिपाने और सवालों को दबाने के लिए विपक्ष को नए-नए विशेषण देने की रही है। समय के साथ विपक्ष के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले विशेषण बदलते रहते हैं, लेकिन सरकार की जनविरोधी नीतियों में कोई बदलाव नहीं आता।

ईंधन निश्चित रूप से हानिकारक

अपने यहां चर्चाओं के अभिजात्यवादी स्वरूप का ही उदाहरण है कि ई-20 का चलन बढऩे पर खाद्य सुरक्षा एवं जल उपलब्धता को लेकर आने वाली चुनौतियों की ओर किसी पक्ष ने पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है। वी. अनंत नागेश्वरन ने पेट्रोल में इथॉनोल की मिलावट पर चल रही बहस में साहसी हस्तक्षेप किया है। उन्होंने सरकार की ओर से पेश दलीलों से अलग विवेकपूर्ण राय सामने रखी है। उचित होगा कि केंद्र अपने मुख्य आर्थिक सलाहकार की बातों पर ध्यान दे और उनके परामर्श के मुताबिक आचरण करे। ई-20 ईंधन पर जारी विवाद में अब तक चर्चा इससे वाहनों को संभावित नुकसान पर केंद्रित रही है। जबकि नागेश्वरन ने इससे संबंधित एक अधिक दूरगामी महत्त्व के पहलू की चर्चा कर बहस को अधिक व्यापक आयाम दिया है। यह हमारे समाज में चर्चाओं के अभिजात्यवादी स्वरूप का ही परिणाम है कि ई-20 का चलन बढऩे पर उससे खाद्य सुरक्षा एवं जल उपलब्धता को लेकर आने वाली चुनौतियों पर किसी पक्ष ने पर्याप्त ध्यान नहीं दिया है। नागेश्वरन की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने इस मुद्दे पर भी रोशनी डाली है। आर्थिक मामलों के मंत्रालय में कंसल्टेंट आकाश पुजारी के साथ एक अखबार में लिखे लेख में नागेश्वरन ने ध्यान दिलाया कि इथेनॉल उत्पादन के लिए गन्ना और अनाज- खासकर मक्के का उपयोग होता है। इसकी मांग बढऩे पर किसान अधिक जमीन पर इन फसलों की खेती के लिए प्रेरित हो सकते हैं। इससे खाद्य सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा एक लीटर इथेनॉल बनाने के लिए हजारों लीटर पानी की जरूरत पड़ती है। जिस समय भू-जल के नीचे जाने की समस्या से कई राज्य जूझ रहे हैं, इथेनॉल का उपयोग बढ़ाने का मतलब जल संसाधनों पर दबाव बढ़ाना होगा। भारत अगर ई-27 या ई-30 जैसे उच्च मिश्रणों की ओर बढ़ा, तो यह दबाव और बढ़ेगा। वाहनों को नुकसान और माइलेज घटने संबंधी चिंताओं को भी नागेश्वरन ने सिरे से खारिज नहीं किया है। बल्कि कहा है कि ई-20 से रबर सील और कार्बूरेटर वाले पुराने वाहनों में समस्या हो सकती है। तकरीबन आठ करोड़ पुराने दोपहिया वाहनों के लिए तो यह ईंधन निश्चित रूप से हानिकारक है। इसलिए उन्होंने ई-10 को वापस लाने तथा जल एवं फसल संबंधी चिंताओं का ठोस आकलन करने की सलाह दी है। सरकार को अविलंब और बेहिचक इस दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए।

शिक्षक गढ़ते कल का भारत

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु



शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवसÓ के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवसÓ के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए।

शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केन्द्रित रखें तथा उनकी ग्रहणशक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में 'आचार्यदेवो भवÓ का संदेश दिया गया है। सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी, मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर, विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं।

श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णतः प्रासंगिक हैं। सदियों पहले, अपने नाटक 'मालविकाग्निमित्रमÓ में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रचुर ज्ञान हो तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है।

एक लोकप्रिय संस्कृत सुभाषित में कहा गया है: 'सर्वत्र विजयम् इच्छेत् शिष्यात् इच्छेत् पराजयमÓ। इसका आशय यह है कि सर्वत्र विजय की कामना करनी चाहिए परंतु शिष्य से पराजय की इच्छा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना, जिज्ञासा उत्पन्न करना, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना, तर्क-शक्ति का विकास करना तथा उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देना शिक्षण कार्य के प्रेरक और उपयोगी आयाम हैं। ऐसी प्रेरक शिक्षा से ही सफल उद्यमी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, सृजनशील कलाकार और चुनौतियों के नवीन समाधान प्रस्तुत करने वाले नागरिकों की पीढियां तैयार होंगी। शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है। शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओड़िशा के राइरंगपुर में स्थित 'श्री ऑरोबिंदो इंटीग्रल स्कूलÓ में बच्चों को पढ़ाया है। विभिन्न विषयों को पढ़ाने के अलावा मैं बच्चों के साथ संगीत, खेल-कूद और नाटक की तैयारियों में पूरे मन से उनकी सहायता करती थी। बच्चों के साथ स्वतन्त्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। विद्यार्थियों को सुंदर प्राकृतिक स्थलों पर पिकनिक के लिए ले जाना तथा खेल-खेल में उन्हें जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के बारे में जानकारी देना मुझे बहुत सार्थक लगता था। स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं। मुझे अपने अनेक विद्यार्थियों के नाम तो याद हैं ही, उनको पुकारने के उपनाम भी मुझे आज तक याद हैं। मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूं कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है।

राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूं और उनके विचारों को समझूं। उनकी बातें मेरे ध्यान में बनी रहती हैं। लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अनाथ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उनसे मिलने का असाधारण अनुभव बच्चों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना रहेगा। उन बच्चों की प्रगति को देखकर मुझे विशेष सार्थकता की अनुभूति होती है।

शिक्षा प्रदान करने का कार्य केवल शिक्षकों तक ही सीमित नहीं होता है। प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो अपने आचरण और उपलब्धियों से बच्चों के लिए 'रोल मॉडलÓ बनता है, वह भी शिक्षा और प्रेरणा का अमूल्य स्रोत होता है। माता-पिता और अभिभावक बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों के पास भेजते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि शिक्षक अपनेपन की भावना से बच्चों की सुरक्षा और प्रगति पर ध्यान देंगे। इस पवित्र आस्था की रक्षा करना प्रत्येक शिक्षक का धर्म है। शिक्षक की भावना, आचरण और व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिससे बच्चों में भय और आशंका न उत्पन्न हो, उनका मनोबल न टूटे तथा उनमें हीन भावना न पैदा हो। अच्छे शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि विद्यार्थी अपने सर्वोत्तम स्वरूप को प्राप्त कर सकें। विद्यार्थी को अच्छा व्यक्ति बनाना शिक्षक का पावन कर्तव्य है। नैतिकता के पथ पर चलते हुए समृद्धि और यश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही शिक्षक की सफलता के जीवंत प्रतिमान होते हैं। हमारा देश सामाजिक समावेश के साथ विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। मैं चाहूंगी कि विकास यात्रा के इस क्रम में हमारे शिक्षकगण ऐसी पीढ़ियों का निर्माण करें जो हमारी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानवता के हित में कार्य करें, अंत्योदय के आदर्शों को आत्मसात करें, पर्यावरण और पशु-पक्षियों के संरक्षण में सक्रिय रहें, व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों में उत्कर्ष प्राप्त करें तथा 'राष्ट्र सर्वोपरिÓ की भावना से आगे बढ़ें। मेरा सभी देशवासियों से अनुरोध है कि वे निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें। मेरी कामना है कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत पढ़े और बहुत आगे बढ़े।

200 करोड़ बार देखा गया एक वीडियो। युवा भारत इस मुद्दे को सड़कों तक लेकर आया

International Youth Day के अवसर पर, Kolkata के युवा कार्यकर्ताओं ने Victoria Memorial, South Gate के सामने एक Nukkad Natak किया। यह अभियान भारत के 10 शहरों में चलाया गया। 10 मिनट के इस नाटक में Kaun Banega Crorepati की एक वायरल बातचीत से प्रेरणा ली गई। इसमें भारत के डेयरी उद्योग की सच्चाई और इससे जुड़े पशुओं के साथ होने वाले व्यवहार को सामने रखा गया। लोगों को गायों, भैंसों और उनके बछड़ों के जीवन के बारे में सोचने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस वायरल बातचीत में कार्यक्रम के होस्ट Amitabh Bachchan ने प्रतियोगी Siddharth Sharma के साथ डेयरी पशुओं की स्थिति पर बात की। इस बातचीत को पूरे भारत में 200 करोड़ बार देखा गया है और यह दुनिया की सबसे ज्यादा देखी गई reels में से एक बन गई है। बातचीत के अंत में Amitabh Bachchan ने कहा कि गाय का दूध उसके बछड़े के लिए है, न कि हमारी चाय में डालने के लिए। Kolkata के Victoria Memorial के सामने किए गए इस नुक्कड़ नाटक का मुख्य उद्देश्य डेयरी और बीफ उद्योग के बीच के उस संबंध को दिखाना था, जिसके बारे में अक्सर बात नहीं की जाती। इस पहल के जरिए हमने यह बताने की कोशिश की कि डेयरी और बीफ एक ही व्यवस्था के दो हिस्से हैं। गायों और भैंसों को मुख्य रूप से दूध के लिए पाला जाता है और बाद में उन्हें वध के लिए बेच दिया जाता है। उनके शरीर का इस्तेमाल leather और beef उद्योग में किया जाता है। यह एक ऐसी सच्चाई है जिसे Chhaya Animal Hospital की टीम रोज देखती है। टीम इस उद्योग से शोषित bovines को बचाती है और उनकी देखभाल करती है। इनमें से कई bovines आज भी Chhaya Animal Hospital की judicial custody में हैं। इस नाटक के जरिए public health, climate और animal protection laws से जुड़े मुद्दों पर भी लोगों का ध्यान दिलाने की कोशिश की गई।





कार्यक्रम की आयोजक Arushi Bhattacharya ने कहाः–"Victoria Memorial के सामने आयोजित इस street play का उद्देश्य डेयरी और बीफ उद्योग के बीच के उस संबंध को दिखाना था, जिसके बारे में अक्सर बात नहीं की जाती। हमने यह बताने की कोशिश की कि डेयरी और बीफ एक ही व्यवस्था के दो हिस्से हैं। Chhaya Animal Hospital की टीम इस सच्चाई को करीब से देखती है, जब वह इस उद्योग से शोषित bovines को बचाती और उनकी देखभाल करती है।" डेयरी से जुड़े ये मुद्दे सिर्फ पशुओं तक सीमित नहीं हैं। इनका असर public safety और environment पर भी पड़ता है।हाल ही में Supreme Court ने उन डेयरी इकाइयों पर कड़ी बात कही, जो दूध देना बंद करने के बाद गायों को छोड़ देती हैं। सड़कों पर छोड़ी गई ऐसी गायें लोगों और खुद उनके लिए खतरा बन सकती हैं। व्यस्त सड़कों पर होने वाली ऐसी दुर्घटनाएं कभी-कभी जानलेवा भी हो सकती हैं। Care of Khejuri के Subhrajit Panda ने कहाः "पशुओं के साथ होने वाली cruelty, street animals के साथ दुर्व्यवहार, डेयरी उद्योग की सच्चाई और Veganism को एक compassionate way of life के रूप में सामने लाने के लिए हमने यह पहल की। Kolkata में आयोजित इस Nukkad Natak के जरिए हमने ये बातें आम लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की। लोगों से मिली अच्छी प्रतिक्रिया और सुझावों ने हमें और मेहनत करने के लिए प्रेरित किया है।" यह अभियान policymakers और institutions के साथ-साथ plant-based food systems को बढ़ावा देने की अपील करता है, ताकि animals, people और environment—तीनों के हितों की रक्षा की जा सके। Organised by: Paws & Planet (KPNRF), Chhaya Animal Hospital (PRCA) — in collaboration with Start Up Foundation, Care of Khejuri & One Just World.

परमात्मा ही खोलते है ज्ञान का तीसरा नेत्र!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

जब सर्वोच्च सत्ता परमात्मा स्वयं मार्गदर्शक के रूप में हम सभी आत्माओं का मार्गदर्शन करने आएंगे और जीवन मुक्ति के पथ की ओर चलने की हमारी यात्रा का नेतृत्व करेंगे।गुरु-शिष्य परंपरा तो हमारी संस्कृति की पहचान है। हमारे देश में शिक्षक अर्थात गुरु को तो भगवान से भी बढ कर बताया गया है। संस्कृत का यह श्लोक दर्शाता है कि प्राचीन काल से ही भारत में गुरुजनों को कितना सम्मान दिया जाता रहा है:

गुरुर्ब्रह्मा ग्रुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।

गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अर्थात्: गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही शंकर है; गुरु ही साक्षात परमब्रह्म अर्थात परमात्मा शिव हैं; ऐसे गुरु का मैं नमन करता हूँ। आज शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से बदल चुकी है, जहाँ पहले गुरुकुल प्रणाली के अंतर्गत शिक्षा दी जाती थी वहीँ आज ई लर्निंग का चलन आ चूका है। आज हम डिजिटल इंडिया में प्रवेश कर चुके हैं, जिसका असर हमारी शिक्षा प्रणाली पर भी पड़ा है। घर बैठे सात समुंदर पार के शिक्षक भी हमारे शैक्षणिक विकास में सहयोग दे रहे हैं। किन्तु आधुनिकता और नई तकनिकी के इस दौर में हमारे शिक्षकों की भूमिका पर शिक्षक दिवस का महत्त्व क्या है इस पर विचार करना भी आज की प्रासंगिता है क्योंकि आज जहाँ एक तरफ हमारे साक्षरता की दर बढ़ रही हैं वहीँ दूसरी तरफ समाज में नैतिक मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है। आज देश में बढती अराजकता के लिये कहीं न कहीं हमारी शैक्षणिक व्यवस्था भी जिम्मेदार है। बाल्यवस्था की शिक्षा वह नीव है जहाँ आध्यात्मिक शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का बीज भी रोपित किया जाता है, जिससे बचपन से ही बच्चे सामाजिक मूल्यों को समझ सकें। परंतु हमारे देश की ये कड़वी सच्चाई है कि प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की अुनपस्थिती तथा बुनियादी शैक्षणिक ढांचे में बहुत कमी है। आज उच्च गुणंवत्ता वाली शिक्षा के लिये अधिक फीस देनी पड़ती है, जो सामान्य वर्ग के लिये एक सपना होती है। लिहाज़ा एक बहुत बड़ा बच्चों का वर्ग उचित शिक्षा के अभाव में रास्ता भटक जाता है। कई जगहों पर तो नकल से पास कराने में शिक्षक इस तरह सहयोग करते हैं कि, बच्चों के मन में उनके प्रति सम्मान न रहकर एक व्यवसायी की तस्वीर घर कर जाती है। आज शिक्षा, सेवाभाव के दायरे से निकलकर आर्थिक दृष्टी से लाभ कमाने की ओर अग्रसर है। जबकी शिक्षकों की जिम्मेदारी तो इतनी ज्यादा महत्वपूर्ण है कि उनको बच्चों के सामने ऐसा आदर्श बनकर प्रस्तुत होना होता है, जिसका अनुसरण करके छात्र/छात्राओं का शैक्षणिक विकास ही नही अपितु नैतिक विकास भी सार्थकता की ओर पल्लवित हो।

हमारे देश में प्रतिभावान विद्यार्थियों की कोई कमी नही है जरूरत है उन्हे तराशने और मूल्य आधारित शिक्षा के प्रकाश से अवलोकित करने की है।कबीर के शब्दों में,

गुरु कुम्हार और शिष्य कुंभ है, गढी-गढी काढै खोट ।

अंतर हांथ सहार दे, बाहर बाहै चोट।।

अर्थातः शिक्षक तो कुम्हार के समान है, जो अपने शिष्य को ऐसे तराशता है जिससे उसके मन में कोई भी बुराई न रह जाये और इस दौरान शिक्षक का मर्मस्पर्शी व्यवहार उसे भावनात्मक बल भी देता है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ऐसा संस्थान है जहां परमात्मा स्वयं पढ़ाते है और वही परमात्मा एक मात्र शिक्षक व गुरु है? प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय एक ऐसी अनूठी आध्यात्म ज्ञान और चरित्र निर्माण की शिक्षण संस्था है जहां प्रतिदिन स्वयं परमात्मा ही पढ़ाते है।जो पाठ प्रतिदिन ब्रह्माकुमारीज के 140 देशों में फैले साढ़े आठ हजार सेवा केंद्रों पर निमित्त भाई बहनों द्वारा पढाया जाता है उसे ईश्वरीय वाणी ही कहा जाता है| इस मुरली रूपी पाठ मे परमात्मा सीधे अपने बच्चो अर्थात इस संगम युगी आत्माओ से संवाद करते है |यह मुरली विभिन्न भाषाओ मे छपकर दुनिया के 140देशो मे एक साथ प्रसारित होती है. मुरली की भाषा कोई भी हो लेकिन सबमे विचार एक ही होता है |मजेदार बात यह भी है कि यह मुरली प्राय दुनिया मे सब जगह स्थानीय समय के अनुसार सुबह, दोपहर, शाम एक ही समय पर पढ़ी व सुनाई जाती है |यह मुरली जो कि चार पृष्ठों मे समाहित होती है, मे जीवन की हर समस्या का समाधान भी सहज ही मिल जाता है |यदि आप रोज मुरली सुनते या पढ़ते है तो आपके मन मे कोई भी शंका, समस्या, प्रश्न पैदा होता है तो उसका उत्तर आपको हर हालत मे मुरली के अंदर ही मिल जाएगा |इसके लिए अलग से किसी शिक्षक, गुरु, संत, महात्मा के पास जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी |मुरली मे पांचो विकारो से मुक्ति के उपाय सुझाये जाते है तो इन विकारो को छोड़ने के लिए प्रेरित भी किया जाता है |सबसे बड़ी बात यह है कि मुरली किसी धर्म विशेष का प्रचार नहीं करती, मुरली मे हिन्दू सनातन. मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध आदि धर्मों की विशेषताओं और उनके प्रति सम्मान भी अभिव्यक्त किया जाता है |तभी तो इस संस्था मे सभी धर्मों से जुड़े लोग श्रद्धा भाव के साथ दौड़े चले आते है |दरअसल मुरली हमें वास्तविक गीता का ज्ञान देती है, जो परमात्मा शिव के द्वारा रचित है |इस मुरली मे हर रोज नए विषय पर ज्ञान चर्चा होती है और मनुष्य के आदि, मध्य, अंत के बारे मे बताया जाता है |वास्तव मे मनुष्य है क्या? वह कहा से आता है, कहा चला जाता है |परमात्मा कौन है, उसका क्या स्वरूप है, परमात्मा का आत्मा से क्या संबंध है |आत्मा हमारे शरीर मे कहा रहती है |शरीर के बजाए आत्म स्वरूप मे रहने के क्या फायदे है |परमात्मा को याद करना क्यों जरूरी है, परमात्मा को याद करने की उत्तम विधि क्या है. हम हर समय सामान्य कामकाज करते हुए व गृहस्थ मे रहकर भी संत समान कैसे रह सकते है, इन सब पर मुरली मे पढ़ने व सुनने को मिलता है |सबसे बड़ी बात मुरली मे यह है कि जो व्यक्ति नियमित मुरली सुनता है या फिर पढ़ता है वह शंकाओ और दुविधाओ से दूर हो जाता है |उसके मन मे व्यर्थ के विचार आने कम हो जाते है और उसकी अच्छा सोचने व अच्छा करने की शक्ति पढ़ जाती है|मुरली सुनना भी एक प्रकार का नशा है जिसे हम ईश्वरीय प्रेम का नशा भी कह सकते है |मुरली से अंहकार से मुक्ति मिल जाती है |व्यक्ति निरहंकार युक्त जीवन जीने मे आनंद प्राप्त करता है |चूंकि मुरली सीधे सीधे ईश्वरीय वाणी है इसलिए उसमे दिये संदेशो को परमात्मा का संदेश मानकर लोग अपने जीवन को शांतिमय व सुखमय बना लेते है | मुरली केवल ब्रह्माकुमारीज सेवा केन्द्रो पर संस्था से जुड़े लोगो के लिए ही उपलब्ध नहीं बल्कि जनसामान्य के लिए भी नेट पर, पीस आफ माइंड चैनल पर, रेडियो मधुबन पर, वाहट्स ऐप पर, फेसबुक पर मौजूद रहती है |लेकिन मुरली की संवाद भाषा थोड़ी अलग है इसलिए इसे सुनने व पढ़ने से पहले यदि ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा निशुल्क संचालित सात दिन का आध्यात्मिक ज्ञान पाठ्यक्रम पूरा कर लिया जाए तो मुरली सहजता से समझ आने लगेगी और जीवन को सफल बनाने मे मदद मिल जायेगी | हमारा सबसे बड़ा गुरु परमपिता परमात्मा शिव हैं जिन्हें हम अलग-अलग नामों के साथ याद करते हैं। परमात्मा एक है और आत्मा उस सचे परमपिता परमात्मा की संतान है। उन्होंने कहा कि वर्तमान काल में प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय यही सेवा कर रहा है कि हर एक आत्मा परमात्मा को पहचान कर अपना तीसरा नेत्र खोले और परमात्मा के सिवाए कोई मानवीय आत्मा किसी का भी तीसरा नेत्र नहीं खोल सकती। संसार में गुरुओं के बारे में जो दावे किए जाते हैं कि वह अपने भक्तों के सभी पापों को खत्म करने में सक्षम होते हैं एवं सभी देवताओं के ऊपर हैं इत्यादि, यह सभी दावे केवल उस एक सतगुरु परमात्मा के लिए ही किए जा सकते हैं, न कि किसी देहधारी के लिए क्योंकि अन्य सभी तो हमारे जैसे नश्वर प्राणी हैं जो समय और प्रकृति की सीमाओं से बंधे हुए हैं। अतः वे एक सीमित हद तक ही हमारा मार्गदर्शन कर सकते हैं। दूसरा किसी अन्य व्यक्ति के पापों को खत्म करने की अवधारणा कर्म के कानून के विपरीत है क्योंकि उसके अनुसार हर आत्मा को उसके कर्मानुसार फल की प्राप्ति होती है। अतः पापियों के पाप यदि कोई हर सकता है तो वह केवल एक सतगुरु परमात्मा ही हैं जो गुरुओं के भी गुरु हैं। लेकिन इससे भी बढ़कर यदि हम शैक्षिक पाठ्यक्रम के साथ साथ ईश्वरीय वाणी को भी आत्मसात कर ले तो जीवन सार्थक हो जायेगा। (लेखक विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ भागलपुर के उपकुलपति है)

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आपका सहयोग जीवनसाथी के काम में बहुत मदद करेगा। आज रोजगार सम्बन्धी कोई खुशखबरी मिल सकती है। आज आपको काम में एक्स्ट्रा मेहनत करनी पड़ सकती है। आज किसी व्यक्ति से आपकी दोस्ती होगी। आप अपने सरल स्वभाव के कारण लोग आपसे प्रभावित होंगे। आज आपके माता-पिता आपके कार्यों में सहयोग करेंगे। शुभ अंकः 5

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज घर में नन्हें मेहमान के आने का योग बना हुआ है। आपका घर खुशियों से भर जायेगा। आज सामने आयी चुनौती का डट कर सामना करने में सफल होंगे। इस राशि के जो लोग अभी-अभी नये काम की शुरुआत किये हैं उनको अपने काम पर ध्यान देनें की जरूरत है। आपके आसपास कोई धार्मिक कार्यक्रम होगा जिसमें आप भी शामिल हो सकते हैं। आज लवमेट से बात करते समय अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें। शुभ अंकः 3

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज अपने काम पर पूरा फोकस करेंगे तो आपका काम आसानी से पूरा हो जायेगा, हर निर्णय सोच-समझकर लें। आपके द्वारा की गयी सामाजिक कार्यों से लोग प्रभावित होंगे। इस राशि के मीडिया से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, किसी नए प्रोजेक्ट पर काम मिलेगा, जिसे पूरी लगन व मेहनत से पूरा करेंगे। शुभ अंकः 1

कर्क राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आपको आज किसी अच्छी कंपनी द्वारा जॉब का ऑफर मिलेगा। आज आपको बिजनेस से रिलेटेड यात्रा करनी पड़ सकती है। प्रॉपर्टी खरीदने का विचार बना रहे लोग आज किसी प्रॉपर्टी डीलर्स से बातचीत करेंगे। इस राशि के जिन लोगों का बर्थडे है वह अपने साथियों के साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे। किसी प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। शुभ अंकः 9

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। अभी तक आप जिस बात से परेशान थे, आज आपको उससे छुटकारा मिल जायेगा। आज अपनी समस्या किसी व्यक्ति के सामने सोच-समझकर शेयर करें। कोई भी फैसला समझदारी से लें। पेरेंट्स बच्चों के साथ किसी शॉपिंग मॉल में घूमने जायेंगे, जिससे बच्चों में उत्साह देखने को मिलेगा। छात्र आज अपनी पढाई पर पूरा फोकस करेंगे। शुभ अंकः 9

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। आज किसी विशेष परिस्थिति में आपके सही निर्णय लेने की क्षमता से आपको सॉल्यूशन मिल जायेगा। अगर बहुत दिनों से किसी से मिलने की सोच रहे हैं तो आज का दिन अच्छा है। परिवार में चल रही अनबन से आज छुटकारा मिलेगा फिर से लोगों में तालमेल बन जायेगा। आज कार्यस्थल पर किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को मिलेगा, जिसे पूरा करने के लिए आप उत्साहित रहेंगे। शुभ अंकः 2

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपका संपर्क किसी प्रभावशाली व्यक्ति से होगा, जिससे मिलकर आप कुछ नया सीखेंगे और अपने जीवन में फॉलो करेंगे। बेकार में समय न नुकसान करें कुछ न कुछ काम करते रहें साथ ही साथ जहाँ तक संभव हो दूसरों की सहायता भी करें। समाज के लोग आपके अच्छे व्यवहार से खुश होंगे, आपकी तारीफ भी करेंगे। शुभ अंकः 8

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप दिन भर कई छोटे-मोटे कामों को करने में व्यस्त रहेंगे। अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अनुभवी लोगों की सलाह मानना आपके लिए अच्छा रहेगा। आज भागदौड़ वाला काम होने से आपको थकावट महसूस होगी, लेकिन शाम तक सब ठीक हो जायेगा। आपके अच्छे व्यवहार के जरिये आपके कुछ नए दोस्त भी बन सकते हैं। शुभ अंकः 3

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप माता के साथ उनके किसी मनपसंद जगह पर घूमने जायेंगे। आज आपको नकारात्मक लोगों से दूरी बनाकर रहने की जरूरत है। आज कोई आपके ख़िलाफ़ षड्यंत्र बना सकता है, आस-पास की गतिविधियों पर नजर रखें। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे। शुभ अंकः 7

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपके जो भी काम हैं उनको करने में देरी नहीं करेंगे तो आपका काम बिना रूकावट के पूरा हो जायेगा। इस राशि के सिंगर्स का कोई गाना आज ज्यादा से ज्यादा लोगों को पसंद आएगा। क्रिकेट से जुड़ी महिलाओं के लिए आज नयी उंचाइयों तक ले जाने वाला साबित होगा। शुभ अंकः 7

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपके पारिवारिक जीवन में ख़ुशी का माहौल रहेगा। आप किसी बात को लेकर मन ही मन खुश रहेंगे। आपके अच्छे विचार लोगों को काफी पसंद आयेंगे लोग आपकी बातों को अहमियत देंगे। योग करें जिससे आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। शुभ अंकः 6

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज ज्यादा काम के कारण आपकी व्यस्तता बनी रहेगी। लेकिन आप कुछ समय निकालकर घर के बड़े-बुजुर्गों के साथ समय बिताएंगे और कुछ पुरानी यादों को ताज़ा करेंगे। आज आप अपने सहकर्मियों के कार्यों को पूरा करने में सहयोग करेंगे। हेल्थ से रिलेटेड प्रॉब्लम्स आज खत्म होंगी। शुभ अंकः 5

प्रशासन और मीडिया आमने-सामने: लोकतंत्र के लिए यह शुभ संकेत नहीं

जिलाधिकारी के खिलाफ पत्रकारों का धरना प्रशासन और मीडिया के बीच बढ़ते तनाव का संकेत

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल

पूर्वांचल लाईफ

पूर्वांचल लाईफ/ वलसाड। लोकतंत्र में पत्रकार को समाज का आईना कहा जाता है। वह सत्ता का विरोधी नहीं, बल्कि सत्ता से सवाल पूछने वाला प्रहरी होता है। उसका काम किसी अधिकारी या सरकार की छवि बनाना या बिगाड़ना नहीं, बल्कि जनता की आवाज को सामने लाना है। लेकिन जब यही पत्रकार अपनी कलम छोड़कर सड़क पर उतरने और धरना देने को मजबूर हो जाएं, तो यह केवल एक प्रशासनिक विवाद नहीं रह जाता, यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाता है। गुरूवार को वलसाड में जिलाधिकारी के खिलाफ पत्रकारों का धरना-प्रदर्शन कई सवाल खड़े करता है। आखिर ऐसी कौन-सी परिस्थितियां पैदा हुईं कि प्रशासन और पत्रकारों के बीच संवाद की जगह टकराव ने ले ली? क्या पत्रकारों की शिकायतों को समय रहते सुना गया? क्या प्रशासन ने मीडिया के साथ सम्मानजनक संवाद कायम रखने की कोशिश की? और यदि पत्रकारों को लगता है कि उनके अधिकारों का हनन हुआ है, तो क्या उनकी शिकायतों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए?

पत्रकार सवाल पूछता है, दुश्मनी नहीं करता

पत्रकार का सवाल कभी-कभी तीखा हो सकता है, लेकिन उसका उद्देश्य व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करना नहीं, बल्कि व्यवस्था को जवाबदेह बनाना होता है। सड़क, अस्पताल, स्कूल, सरकारी कार्यालय, भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था या जनता की समस्याओं से जुड़े सवाल पूछना पत्रकार का अधिकार ही नहीं, उसकी जिम्मेदारी भी है। यदि किसी खबर से प्रशासन असहमत है तो उसका जवाब तथ्य और तर्क से दिया जाना चाहिए। किसी पत्रकार को दबाव में लेना, उसे डराना, धमकाना या उसकी आवाज दबाने का प्रयास करना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं हो सकता।

स्वाभिमान से समझौता नहीं कर सकता पत्रकार

पत्रकारिता केवल रोजगार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। एक पत्रकार अपनी पहचान और विश्वसनीयता के सहारे समाज में काम करता है। इसलिए जब उसके पेशेवर सम्मान, सुरक्षा या स्वतंत्रता पर सवाल खड़े होते हैं, तो उसका विरोध स्वाभाविक है। हालांकि पत्रकारिता की स्वतंत्रता का अर्थ यह भी नहीं कि कोई भी व्यक्ति बिना प्रमाण किसी पर आरोप लगाए। पत्रकारों को भी अपनी जिम्मेदारी, तथ्यात्मकता और आचार-संहिता का पालन करना चाहिए। लेकिन इसी तरह प्रशासन और पुलिस की जिम्मेदारी भी है कि वे पत्रकारों के साथ कानून के दायरे में निष्पक्ष और सम्मानजनक व्यवहार करें।

प्रशासन मजबूत हो, लेकिन जवाबदेह भी

एक मजबूत प्रशासन लोकतंत्र की आवश्यकता है, लेकिन मजबूत प्रशासन का अर्थ निरंकुश प्रशासन नहीं होता। जिलाधिकारी जिले की प्रशासनिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण चेहरा होते हैं। उनके निर्णय का सीधा प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ता है। इसलिए प्रशासन से सवाल पूछे जाना व्यवस्था को कमजोर करना नहीं, बल्कि उसे बेहतर बनाने की प्रक्रिया है। यदि किसी पत्रकार के खिलाफ कोई शिकायत या आरोप है तो कानून अपना रास्ता अपनाए। यदि पत्रकार ने कोई गलती की है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई हो। लेकिन यदि पत्रकारों की शिकायत प्रशासन के खिलाफ है, तो उसकी भी निष्पक्ष सुनवाई होनी चाहिए। न्याय का तराजू दोनों पक्षों के लिए बराबर होना चाहिए।

धरना समस्या का समाधान नहीं, लेकिन संकेत जरूर है

पत्रकारों का धरने पर बैठना किसी भी प्रशासन के लिए सहज स्थिति नहीं होनी चाहिए। धरना स्वयं में समाधान नहीं है, लेकिन यह एक महत्वपूर्ण संकेत जरूर है कि कहीं न कहीं संवाद की प्रक्रिया कमजोर हुई है। लोकतंत्र में हर विवाद का पहला समाधान संवाद होना चाहिए। प्रशासन को पत्रकारों के प्रतिनिधियों से बातचीत करनी चाहिए, उनकी शिकायतें सुननी चाहिए और यदि किसी स्तर पर गलती हुई है तो उसे सुधारने में संकोच नहीं करना चाहिए। इसी तरह पत्रकार संगठनों को भी तथ्यों और लोकतांत्रिक मर्यादाओं के साथ अपनी बात रखनी चाहिए।

कलम और कुर्सी आमने-सामने नहीं, साथ-साथ होनी चाहिए

प्रशासन और मीडिया लोकतंत्र के दो अलग-अलग लेकिन महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। प्रशासन व्यवस्था चलाता है और पत्रकार व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर जनता के सामने रखते हैं। दोनों के बीच स्वस्थ संबंध लोकतंत्र को मजबूत करते हैं, जबकि टकराव की स्थिति अंततः जनता के हितों को प्रभावित करती है। इसलिए सवाल यह नहीं होना चाहिए कि कौन जीता और कौन हारा? असली सवाल यह होना चाहिए कि विवाद का सम्मानजनक और न्यायपूर्ण समाधान कैसे निकले। पत्रकारों को डर के माहौल में नहीं, स्वतंत्र वातावरण में काम करना चाहिए। अधिकारियों को भी आलोचना से घबराने के बजाय तथ्यों के साथ उसका जवाब देना चाहिए। क्योंकि लोकतंत्र में सवाल पूछने वाला दुश्मन नहीं होता और सवालों का जवाब देना कमजोरी नहीं, बल्कि जवाबदेही की पहचान है।

आखिर में सबसे बड़ा सवाल

जब पत्रकारों को अपनी बात कहने के लिए कलम से आगे बढ़कर धरने का सहारा लेना पड़े, तो समाज को रुककर यह जरूर सोचना चाहिए कि क्या प्रशासन और मीडिया के बीच संवाद की खिड़की बंद हो रही है? यदि ऐसा है तो उसे समय रहते खोलना होगा। क्योंकि पत्रकार की कलम पर दबाव केवल एक पत्रकार की समस्या नहीं है। कलम की स्वतंत्रता कमजोर होगी तो जनता की आवाज कमजोर होगी, और जनता की आवाज कमजोर होगी तो लोकतंत्र भी कमजोर होगा। इसलिए जरूरत टकराव की नहीं, संवाद की है; दबाव की नहीं, पारदर्शिता की है; और आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, निष्पक्ष जांच और न्याय की है। क्योंकि लोकतंत्र में सत्ता से बड़ा संविधान है, पद से बड़ा कानून है और हर कुर्सी से ऊपर जनता का अधिकार है।

श्रावण मास में मां विश्वंभरी तीर्थधाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

जन्माष्टमी पर विशेष रहा श्रद्धालुओं का प्रवाह, दिव्य दर्शन कर भक्तों ने किया आध्यात्मिक शांति और आनंद का अनुभव

पूर्वांचल लाईफ

वलसाड। वलसाड जिले के राबड़ा गांव में हरी-भरी वनराई और मनमोहक प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित मां विश्वंभरी तीर्थयात्रा धाम में पवित्र श्रावण मास के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। विशेष रूप से जन्माष्टमी के पावन अवसर पर धाम में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। पराशक्ति मां विश्वंभरी के दिव्य दर्शन कर श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक शांति, आनंद और आत्मिक तृप्ति का अनुभव किया।

प्रकृति की गोद में बसे इस तीर्थधाम ने आध्यात्मिक चिंतन, अनुभवसिद्ध ज्ञान और सनातन संस्कृति की अनुभूति कराने वाले विशिष्ट केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाई है। धाम में प्रवेश करते ही शांत, पवित्र और प्राकृतिक वातावरण श्रद्धालुओं को मानसिक शांति के साथ एक अनूठी आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कराता है। धाम परिसर में स्थित अलौकिक पाठशाला में भाग्यविधाता मां विश्वंभरी के चैतन्य स्वरूप के दर्शन श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करते हैं। वहीं हिमालय की गुफा की प्रतिकृति में स्थापित शिवलिंग के दर्शन भक्तों को गहरे भक्ति भाव से भर देते हैं। गोकुलधाम में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत धारण करने की दिव्य लीला की सुंदर प्रतिकृति बनाई गई है। इसके साथ ही नंदबाबा की कुटिया का मनोहारी निर्माण भी किया गया है। इन दृश्यों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों की जीवंत अनुभूति होती है।



ज्ञान, भक्ति और कर्म का त्रिवेणी संगम

मां विश्वंभरी तीर्थयात्रा धाम आज ज्ञान, भक्ति और कर्म के त्रिवेणी संगम के रूप में श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। प्रकृति, संस्कृति और आध्यात्मिकता के अनूठे समन्वय से परिपूर्ण यह धाम यहां आने वाले प्रत्येक दर्शनार्थी को शांति, पवित्रता और दिव्य अनुभूति प्रदान करता है।

वैकुंठधाम की आदर्श गौशाला बनी आकर्षण का केंद्र

धाम स्थित वैकुंठधाम की आदर्श गौशाला भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। यहां गिर गायों की सेवा, देखभाल और स्वच्छता की बेहतर व्यवस्था के माध्यम से गौसेवा का प्रेरणादायी संदेश दिया जा रहा है। पंचवटी में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मणजी की प्रतिमाओं के दर्शन श्रद्धालुओं को रामायणकाल के पवित्र प्रसंगों की अनुभूति कराते हैं। इन दिव्य स्थलों के दर्शन कर भक्त भावविभोर नजर आते हैं।

'अंधश्रद्धा छोड़ो, घर को मंदिर बनाओ' का संदेश

मां विश्वंभरी तीर्थयात्रा धाम का संदेश केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को जागरूक और संस्कारित करने का भी प्रयास है। धाम की ओर से मानव समाज को महत्वपूर्ण संदेश दिया जा रहा है—"अंधश्रद्धा छोड़कर घर की ओर लौटो और घर को ही मंदिर बनाओ।" धाम नात-जात, ऊंच-नीच और किसी भी प्रकार के भेदभाव से परे रहकर सनातन धर्म एवं वैदिक संस्कृति के मूलभूत मूल्यों को उजागर करने का संदेश दे रहा है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को सत्य और असत्य के बीच अंतर समझने तथा सत्य धर्म, सद्कर्म, सच्ची भक्ति और आध्यात्मिकता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

प्रासोल केमिकल्स का सार्वजनिक निर्गम 8 सितंबर को खुलेगा, 500 करोड़ रुपये का है निर्गम



पूर्वांचल लाईफ

मुंबई। विशेष रसायन निर्माता प्रासोल केमिकल्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम ८ सितंबर २०२६ को निवेशकों के लिए खुलेगा और १० सितंबर को बंद होगा। बड़े संस्थागत निवेशकों के लिए बोली ७ सितंबर को होगी। कंपनी ने प्रति शेयर ६४३ से ६७६ रुपये का मूल्य दायरा तय किया है। निवेशक न्यूनतम २२ शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे और इसके बाद २२ के गुणक में आवेदन किया जा सकेगा। कंपनी के सार्वजनिक निर्गम का कुल आकार ५०० करोड़ रुपये तक है। इसमें ८० करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि ४२० करोड़ रुपये तक के शेयर मौजूदा शेयरधारकों द्वारा बिक्री के लिए पेश किए जाएंगे। वर्ष १९९२ में स्थापित प्रासोल केमिकल्स एसीटोन और फास्फोरस आधारित विशेष रसायनों सहित १५० से अधिक उत्पादों का निर्माण करती है। कंपनी के उत्पाद प्रदर्शन रसायन, रंग-रोगन, औषधि, कृषि रसायन और व्यक्तिगत देखभाल जैसे क्षेत्रों में इस्तेमाल होते हैं। कंपनी के अनुसार उसके उत्पाद ६९ देशों में १,६०० से अधिक ग्राहकों तक पहुंचते हैं। निर्गम से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए किया जाएगा। कंपनी के शेयर मुंबई और राष्ट्रीय दोनों प्रमुख शेयर बाजारों में सूचीबद्ध किए जाने प्रस्तावित हैं।

४२० जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा के लिए धन जुटाएगा लाइट ऑफ लाइफ ट्रस्ट

पूर्वांचल लाईफ

मुंबई: गरीबी के पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले आ रहे चक्र को तोड़ने और वंचित समुदायों के बच्चों को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम करने वाली गैर-लाभकारी संस्था लाइट ऑफ लाइफ ट्रस्ट शुक्रवार को बॉम्बे शेयर बाजार के सामाजिक शेयर बाजार पर सूचीबद्ध हुई। संस्था के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे वंचित बच्चों की शिक्षा और उनके समग्र विकास के प्रयासों को और मजबूती मिलेगी।इस सूचीबद्धता के तहत संस्था ने १.२७ करोड़ रुपये के शून्य कूपन, शून्य मूलधन साधन जारी किए हैं। इससे प्राप्त धनराशि का उपयोग बिहार और झारखंड के वंचित समुदायों के ४२० बच्चों की शिक्षा और समग्र विकास के लिए किया जाएगा। प्रत्येक साधन का अंकित मूल्य १,००० रुपये है। इसमें न्यूनतम आवेदन एक साधन के लिए किया जा सकता है और इसके बाद उसी के गुणकों में आवेदन किया जा सकता है।सामाजिक शेयर बाजार पर सूचीबद्ध होने से संस्था को सामाजिक कार्यों के लिए धन जुटाने का एक नियमित और पारदर्शी मंच उपलब्ध हुआ है।



इसके माध्यम से व्यक्ति, संस्थाएं और संगठन निर्धारित सामाजिक उद्देश्यों के लिए अपना योगदान दे सकेंगे।लाइट ऑफ लाइफ ट्रस्ट की संस्थापक विनी डॉक्टर ने कहा कि शिक्षा केवल एक व्यक्ति का जीवन बदलने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि पूरे परिवार की दिशा और समय के साथ पूरे समुदाय का भविष्य बदलने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से उन बच्चों की पढ़ाई जारी रखने में सहायता करने का प्रयास किया जा रहा है, जिन्हें आर्थिक परिस्थितियों के कारण शिक्षा में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।जारी किए गए साधनों के सलाहकार ईआरआईएक्स एडवाइजर्स की संस्थापक सीएस पायल गुप्ता ने कहा कि लाइट ऑफ लाइफ ट्रस्ट का सामाजिक शेयर बाजार पर सूचीबद्ध होना एक विशेष उपलब्धि है। उनके अनुसार, सामाजिक शेयर बाजार गैर-लाभकारी संस्थाओं के लिए केवल धन जुटाने का माध्यम नहीं है, बल्कि पारदर्शिता बढ़ाने, बेहतर तैयारी करने तथा दानदाताओं और निवेशकों के व्यापक समूह से जुड़ने का अवसर भी प्रदान करता है।गाइडस्टार इंडिया की संस्थापक एवं निदेशक तथा सामाजिक शेयर बाजार सलाहकार समिति और बॉम्बे शेयर बाजार की सामाजिक शेयर बाजार संचालन परिषद की सदस्य पुष्पा अमन सिंह ने कहा कि लाइट ऑफ लाइफ ट्रस्ट द्वारा सार्वजनिक जानकारी साझा करने के उच्च मानकों को अपनाना संस्था की विश्वसनीयता बढ़ाने के साथ-साथ भारत के गैर-लाभकारी क्षेत्र में लोगों का भरोसा मजबूत करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।सामाजिक शेयर बाजार की व्यवस्था सामाजिक प्रभाव के लिए जुटाए गए धन के उपयोग, जवाबदेही और पारदर्शिता को मजबूत करती है। इसके माध्यम से संस्थाएं यह स्पष्ट कर सकती हैं कि जुटाई गई राशि का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के लिए किस प्रकार किया गया और उनके कार्यक्रमों से समाज पर क्या सकारात्मक परिणाम सामने आए।

गुजरात के 40 श्रेष्ठ शिक्षकों का सम्मान: राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रदान किए पुरस्कार

पूर्वांचल लाईफ

शिक्षक दिवस पर गुजरात सरकार के शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार-2026 समारोह में राज्य के 40 उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शिक्षकों को पुरस्कार, प्रशस्तिपत्र और सम्मान राशि प्रदान की। राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी ने कहा कि आधुनिक युग में तकनीकी और भौतिक ज्ञान जरूरी है, लेकिन इसके साथ नैतिक मूल्यों और संस्कारों की शिक्षा भी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही गणित और खगोल विज्ञान जैसे क्षेत्रों में अग्रणी रहा है। शिक्षकों को विद्यार्थियों को विषय ज्ञान के साथ जीवन मूल्यों, देशभक्ति और मानवता की शिक्षा भी देनी चाहिए। राज्यपाल ने शिक्षकों से प्रतिदिन कुछ समय विद्यार्थियों को जीवन जीने की कला और संस्कारों का मार्गदर्शन देने का आग्रह किया।



मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्रधर्म है। शिक्षक के प्रयासों से व्यक्ति का जीवन और देश का भविष्य आकार लेता है।

उन्होंने कहा कि पारंपरिक शिक्षा और आधुनिक तकनीक के समन्वय से विद्यार्थियों को भविष्य के लिए तैयार करना समय की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई और डिजिटल तकनीक के दौर में शिक्षकों को भी लगातार अपडेट रहना होगा। विद्यार्थियों को तकनीक का जिम्मेदारी से उपयोग करना सिखाने में शिक्षक की भूमिका अहम है। उन्होंने विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के लिए सक्षम और संस्कारवान पीढ़ी तैयार करने का आह्वान किया।

शिक्षा मंत्री डॉ. प्रद्युम्न वाजा ने कहा कि श्रेष्ठ शिक्षक विद्यार्थियों को केवल शिक्षा नहीं देते, बल्कि उन्हें प्रेरित भी करते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों में संस्कार, कौशल और जिज्ञासा विकसित करने में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है। स्कूल की कक्षाओं में ही देश का भविष्य तैयार होता है। कार्यक्रम में शिक्षा राज्य मंत्री रीवाबा जाडेजा, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, पुरस्कार विजेता शिक्षक और उनके परिवारजन उपस्थित रहे। शिक्षा विभाग के अग्र सचिव मिलिंद तोरवणे ने आभार व्यक्त किया।

मटकी फोड़ विवाद की रंजिश छात्रावास तक पहुंची, छात्रों पर हमला

डंडे-स्टंप और लोहे की पाइप से मारपीट में छह छात्र घायल:,16 नामजद आरोपियों में से 12 गिरफ्तार, कोर्ट ने छह दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की

पूर्वांचल लाईफ

वलसाड। धरमपुर तहसील के बामटी गांव स्थित लाल डूंगरी में वनराज कॉलेज के समीप आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर कुमार छात्रावास में 3 सितंबर की रात छात्रों पर हमला किए जाने की घटना से हड़कंप मच गया। पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, मुंह पर रूमाल बांधकर आए लोगों ने छात्रावास में घुसकर छात्रों के साथ मारपीट की। हमलावरों के पास डंडे, क्रिकेट स्टंप, लोहे की पाइप और हाथ में पहनने वाले कड़े होने का उल्लेख शिकायत में किया गया है। इस घटना में शिकायतकर्ता विनय गांवित समेत छह छात्र घायल हुए हैं। शिकायतकर्ता विनयभाई महेशभाई गांवित ने पुलिस को बताया कि रात करीब साढ़े नौ बजे वह छात्रावास के कमरे में पढ़ाई कर रहे थे। इसी दौरान नीचे लॉबी से शोर सुनाई देने पर वह अन्य छात्रों के साथ वहां पहुंचे। शिकायत के मुताबिक, वहां मनन पटेल, जयदीप पवार, राज अमोप्रकाश खरवाल, प्रेम माहला, हर्षिल धर्मेशभाई भीसारा, मोहम्मद जकी इम्तियाज शेख, आयुष कमलप्रसाद प्रजापति, सागर रतीलालभाई चौधरी, जयदीप शर्मा, क्रीश, वीरांग पटेल, रोहन पटेल, हुसेफा आरिफ सैयद, हर्ष ठक्कर, रजा यूनुस शेख और शोहील हनीफ शेख सहित अन्य लोग छात्रों के साथ मारपीट कर रहे थे। विनय गांवित ने अपने मित्र उमेश वाघ और अन्य छात्रों को छुड़ाने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी दौरान मनन पटेल ने हाथ में पहने कड़े से विनय के दाहिने हाथ पर वार किया, जबकि राज खरवाल ने लकड़ी के स्टंप से उसकी पीठ पर हमला किया। शिकायत में अन्य आरोपियों के पास डंडे, स्टंप और लोहे की पाइप होने की बात भी कही गई है। छात्रावास के अन्य विद्यार्थियों के बड़ी संख्या में एकत्र होने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस और पुलिस को बुलाया गया। घायल विनय गांवित, उमेश वाघ, नितेश भोया, सामेल जादव, मेहुल राउत और अमुल कोंती को उपचार के लिए धरमपुर स्टेट अस्पताल ले जाया गया। उमेश, नितेश, सामेल और मेहुल के सिर में चोट लगने के कारण टांके लगाए गए। उपचार के बाद विनय को छुट्टी दे दी गई, जबकि चार छात्रों के उपचाराधीन होने की जानकारी है। 12 आरोपी गिरफ्तार, छह दिन की पुलिस रिमांड मामले में नामजद 16 आरोपियों में से पुलिस ने 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश किए जाने पर अदालत ने छह दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की। मामले में धारा 109(1) और 117(2) जोड़ने के लिए रिपोर्ट भी दी गई है। वहीं, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने जांच तेज कर दी है।



मटकी फोड़ कार्यक्रम के विवाद के बाद हमले का आरोप

छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थी समीप स्थित वनराज कॉलेज में पढ़ते हैं। 3 सितंबर की सुबह जन्माष्टमी के अवसर पर कॉलेज में आयोजित मटकी फोड़ कार्यक्रम के दौरान छात्रावास के विद्यार्थियों और कॉलेज के अन्य छात्रों के बीच मटकी फोड़ने को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान राज खरवाल और उसके साथ मौजूद कुछ लोगों के साथ कहासुनी हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था। हालांकि, शिकायतकर्ता पक्ष का आरोप है कि इसी विवाद की रंजिश रखी गई। आरोप है कि उसी रात कुछ लोग पूर्व नियोजित तरीके से समूह बनाकर छात्रावास में घुसे और छात्रों के साथ मारपीट की।

300 से अधिक छात्र पुलिस थाने पहुंचे

हमले की जानकारी मिलने के बाद आदिवासी समाज में आक्रोश देखा गया। कांग्रेस के राहुल पटेल और धीरज पटेल, आम आदमी पार्टी के कमलेश पटेल, धरमपुर तालुका पंचायत के पूर्व निर्दलीय सदस्य कल्पेश पटेल तथा समस्त आदिवासी समाज के अध्यक्ष डॉ. निरव पटेल सहित अन्य पदाधिकारी छात्रों के साथ धरमपुर पुलिस थाने पहुंचे। छात्रों और पदाधिकारियों ने हमले में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। साथ ही छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग को लेकर पीआई निखिल भोया को ज्ञापन सौंपा।

शिक्षक दिवस पर विद्यार्थियों ने किया गुरुजनों का सम्मान, विभिन्न प्रतियोगिताओं में दिखाया उत्साह

अंबे माता गुफा में जीनियस पब्लिक सीनियर सेकेंडरी इंग्लिश मीडियम स्कूल का सह-शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित

पूर्वांचल लाईफ





पाली ,देसूरी स्थानीय जीनियस पब्लिक सीनियर सेकेंडरी इंग्लिश मीडियम स्कूल की ओर से शिक्षक दिवस एवं सह-शैक्षणिक कार्यक्रम का आयोजन अंबे माता गुफा में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न खेलकूद, कला एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक नरेंद्रसिंह राठौड़ ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन, विचारों एवं आदर्शों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

विद्यालय के संस्था प्रधान हंसमुख सेन ने सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षकों का माला पहनाकर एवं तिलक लगाकर सम्मान किया। स्टाफ सदस्य घनश्याम सिंह चारण, अंतिम कंवर, सैयद वसीम, ऐश्वर्या भाटी, मनीषा, रवीना कंवर, उर्मिला कंवर, तमन्ना बानु, दीपिका गौड़ एवं कृतिका मालवीय ने विद्यार्थियों को शिक्षक दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी।

प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर : कार्यक्रम के दौरान भाषण, रंगोली, चित्रकला, मेहंदी, दौड़, म्यूजिकल चेयर एवं क्रिकेट सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

भाषण प्रतियोगिताः सीनियर वर्ग में हेमलता कंवर ने प्रथम तथा डिंपल कंवर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर दौड़ः सीनियर छात्रा वर्ग में मान्यता कंवर प्रथम तथा विरांजलि द्वितीय रहीं। छात्र वर्ग में युवराज सिंह ने प्रथम तथा कृष्ण पाल सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। म्यूजिकल चेयरः जूनियर वर्ग में दक्ष राज प्रथम तथा ज्योति द्वितीय स्थान पर रहीं।

मेहंदी प्रतियोगिताः उन्नति बहोरा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

100 मीटर दौड़ः सीनियर छात्र वर्ग में युवराज सिंह प्रथम तथा नैतिक राठौड़ द्वितीय रहे। जूनियर छात्र वर्ग में प्रदीप प्रथम तथा नीरज द्वितीय रहे। छात्रा वर्ग में दिव्या मीणा ने प्रथम तथा रिधीका कंवर ने द्वितीय रहीं। सीनियर वर्ग में नेतल कंवर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्रिकेट प्रतियोगिताः बेस्ट बॉलर के रूप में खुशवीर सिंह ने प्रथम तथा दिक्षित ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालय प्रबंधन एवं स्टाफ ने प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में खेल भावना, रचनात्मकता, आत्मविश्वास और टीम भावना को बढ़ावा देने के साथ शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों को भी मजबूत किया।

बिजोवा में कृष्ण जन्माष्टमी पर भक्ति की बयार, लक्ष्मी नारायण मंदिर में गूंजे भजन-कीर्तन







पूर्वांचल लाईफ

बिजोवा (पाली)। मुख्य बाजार स्थित प्राचीन लक्ष्मी नारायण मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। देर रात तक चले इस भव्य आयोजन में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को भजन-कीर्तन, आरती और ठाकुर जी के प्रसाद के साथ मनाया। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनियों और फूल मालाओं से सजाया गया था।

वीडियो में दिखा भक्ति का संगम : प्राप्त वीडियो में मंदिर के गर्भगृह में लक्ष्मी नारायण भगवान के साथ राधा-कृष्ण की मनमोहक झांकी और दूसरे मंदिर में शिवलिंग, गणेश जी और हनुमान जी की विशेष पूजा-अर्चना साफ दिखाई दे रही है। बाहर प्रांगण में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु बैठकर भजन संध्या का आनंद लेते नजर आए।

इनकी रही विशेष उपस्थिति : कार्यक्रम में भागवत कथा वाचक श्रावण महाराज, देवाराम सने, भरत महाराज, भाग्य रथ जी उपाध्याय द्वारा ठाकुर जी की विशेष आरती व प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर बालकिशन जी, माथीलाल जी ब्राह्मण, भरत जी सुथार, विजय राज जी बोहरा, हरिप्रसाद जी, भरत जी, मुकेश जी, सुरेश जी, विशाल सिंह जी, रामजी प्रजापत, मनोज भाई नागर, बालचंद सैन, श्याम जी, रतन भाई, भरत जी उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। भजन मंडली में ढोलक और हारमोनियम की थाप पर देर रात तक "नंद घर आनंद भयो" के जयकारे गूंजते रहे। महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भजनों में भाग लिया और अंत में सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

महिला शक्ति को भी शिक्षा से मजबूत बनाना होगा

नव भारत साक्षरता कार्यक्रम उल्लास के तहत उदलियावास में हो रहा है उजियारा ?

पूर्वांचल लाईफ



जयपुर : मजदूर पशुपालक किसान महिलाओं के हाथ मे पेन व काफी दिखाई दे रही है संविदाकर्मी पंचायत शिक्षक देवीसिंह देवल के परिश्रम का परिणाम आ रहा है नवभारत साक्षरता कार्यक्रम उल्लास के तहत उदलियावास में ग्रामीण असाक्षर महिलाओं व पुरुषो को साक्षर किया जा रहा है उदलियावास में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम उल्लास के तहत असाक्षरों को बुनियादी शिक्षा देकर साक्षर एवं जागरूक बनाया जा रहा है सरपंच गोविंदराम सरगरा ने बताया कि नवभारत साक्षरता कार्यक्रम उल्लास के तहत पंचायत शिक्षक एवं समाजसेवी शिक्षक देवीसिंह देवल चारण ने वर्ष 2023 वर्ष 2024 वर्ष 2025 वर्ष 2026 आज तक 80 ग्रामीण असाक्षर महिलाओं को साक्षर बनाया जो की पूर्व में अंगूठा लगती थी वही 20 असाक्षर पुरुषों को भी साक्षर बनाया इस कार्य के लिए स्वयंसेवी शिक्षक देवी सिंह देवल विद्यालय समय के पश्चात सुबह और सायंकाल के समय असाक्षरो की सुविधा के अनुसार उनके घर-घर जाकर फोन से डिजिटल शिक्षा के साथ साथ अंक ज्ञान अक्षर ज्ञान संख्या ज्ञान गिनती व्यवहारिक जानकारी व यातायात नियमों की जानकारी वित्तीय साक्षरता व जन जागरूकता का पाठ पढ रहे हैं पंचायत समिति सदस्य देवाराम सीरवी ने बताया कि देवीसिंह देवल पंचायत शिक्षक पूर्व में ग्राम पंचायत उदलियावास में पंचायत सहायक के रूप में भी 6 वर्ष तक कार्य किया था इन्होंने नव वर्ष साक्षरता कार्यक्रम उल्लास में उदलियावास में बहुत ही सराहनीय कार्य किया है जिससे ग्रामीण मजदूर एवं किसान पशुपालक महिलाएं जो पूर्व में अंगूठा लगाती थी आज अपना नाम लिख लेती है हस्ताक्षर कर रही है व गिनती बोल लेती है वह छोटा-मोटा घर का हिसाब कर लेती है व अब असाक्षर साक्षर बन कर जागरुक बन गए है देवल ने पिछले चार वर्षों से निस्वार्थ भाव से वह निशुल्क शिक्षा देकर साक्षर व जागरूक बना रहे है आज देवल ने उदलियावास में उल्लास से उजियारा कर दिया है उदलियावास में साक्षरता के कार्यो की आसपास के गांवों मेंभी सराहना की जाती है।

सेवा परम धर्म, सेवा ईश्वरीय कार्य -मटाले

पूर्वांचल लाईफ



पाली 4सितंबर । सेवा परम धर्म है,सेवा ईश्वरीय कार्य है।सेवा कार्य करने वाले व्यक्ति व संस्थाएं सौभाग्यशाली हैं कि सेवा का काम उनके जिम्मे आया है,सेवा करने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं का आपस में सहयोग,संवाद जरुरी है।उक्त उद्गार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख राजकुमार मटाले ने स्थानीय आई एम ए भवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में आयोजित सेवा मिलन कार्यक्रम में व्यक्त किए। मटाले ने कहा कि सेवा धर्म का आधार व पुराणों का सार है, सेवा कार्य करने वाले व्यक्तियों व संस्थाओं के एक जगह एकत्र होकर अनुभव साझा करने से नई बातें सीखने को मिलती है,सेवा कार्य करते समय आने वाली समस्याओं का समाधान होता है।उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी ऐसे सेवा मिलन समाज को नई राह दिखाएंगे।सेवा मिलन की अध्यक्षता संघ के जिला संघचालक नेमीचंद अखावत ने की। भारत माता की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से शुरु हुए इस कार्यक्रम में सेवा भारती के राजेंद्र सिंह भाटी,पाली सेवा मंडल के विजयराज बंब,अपना घर के रमेश जैन,स्वावलंबन फाउंडेशन के डा वैभव भंडारी,प्यारा हिंदुस्तान परिवार के रमेश थोवानी,एनिमल रेस्क्यू के दिनेश बंजारा,पाली विकास एवं सेवा संघ के शिवप्रकाश शर्मा,मेरा पक्षी मेरा भगवान के गोविंद सैन ,रामदेव सेवा समिति के बाबूसिंह राजपुरोहित,सुरभि गो सेवा संस्थान के भरत,अधिकमास परिक्रमा सेवा समिति के हीरालाल व्यास ,जीव-जंतु गौरक्षक फाउंडेशन के नरेंद्र तलेसरा,सांवरिया सेवा संस्थान के तुलसीदास वैष्णव व जितेंद्र व्यास,शिवसिंह राजपुरोहित समेत कई स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपनी संस्था का परिचय कराते हुए अपने द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी दी।अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख मटाले ने सेवा मिलन में सेवा कार्यों को लेकर संवाद किया।इस सेवा मिलन में क्षेत्रीय सेवा प्रमुख शिव लहरी,प्रांत सेवा प्रमुख नटवरराज,विभाग प्रचारक अनिल,विभाग कार्यवाह भुवन दवे,सेवा भारती प्रांत सह मंत्री विजय सिंह माली,जिला कार्यवाह मुकेश ,जिला प्रचारक जसराज सहित संघ के दायित्ववान कार्यकर्ता उपस्थित रहे।सेवा मिलन का संचालन ओम प्रकाश व भूपेंद्र पटेल ने किया।अशोक जोशी,सतीश,मनीष शर्मा ,पारसमल,राजेंद्र लखेरा ने व्यवस्था संभाली।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पहल पर सेवा कार्य करने वाली संस्थाओं व व्यक्तियों का सेवा मिलन आयोजित किया जा रहा है।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने शिवेन्द्र सिंह डूंगरपुर को ल्यूमिएर समिट के लिए किया आमंत्रित

पूर्वांचल लाईफ



नई दिल्ली/मुम्बई। भारतीय सिनेमा की विरासत को संरक्षित करने और विश्व स्तर पर भारतीय फिल्म संस्कृति को पहचान दिलाने वाले फिल्मकार एवं फिल्म आर्काइविस्ट शिवेन्द्र सिंह डूंगरपुर को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने प्रतिष्ठित ल्यूमिएर समिट में विशेष रूप से आमंत्रित किया है। यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 7 सितंबर 2026 को फ्रांस के सेंट-पॉल-डी-वांस स्थित फोंडेशन मैग्ट में आयोजित होगा।सम्मेलन की सह-अध्यक्षता फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यांग करेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य सिनेमा और 'मूविंग इमेज' के भविष्य को लेकर दुनिया के प्रमुख फिल्मकारों, नीति-निर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों और फिल्म संस्थानों को एक मंच पर लाना है। शिवेन्द्र सिंह डूंगरपुर का इस वैश्विक मंच पर आमंत्रित होना भारतीय सिनेमा और उसकी समृद्ध फिल्म विरासत के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। खास तौर पर राजस्थान के पूर्व डूंगरपुर राजघराने से जुड़े उनके नाम और भारतीय फिल्म धरोहर के क्षेत्र में उनकी अंतरराष्ट्रीय पहचान के कारण यह निमंत्रण राजस्थान के लिए भी गौरव का विषय है। फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक ,शिवेन्द्र सिंह डूंगरपुर भारतीय फिल्म विरासत के संरक्षण और पुनर्स्थापन के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। वे फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के संस्थापक हैं और भारत की पुरानी एवं दुर्लभ फिल्मों को संरक्षित करने के अभियान से जुड़े रहे हैं। उनकी संस्था ने कई महत्वपूर्ण भारतीय फिल्मों के संरक्षण और पुनर्स्थापन में भूमिका निभाई है। इस वर्ष का ल्यूमिएर समिट ऐसे समय हो रहा है जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म के विस्तार ने फिल्म उद्योग के सामने नई चुनौतियां और संभावनाएं पैदा की हैं। सम्मेलन में एआई का सिनेमा पर प्रभाव, रचनात्मक स्वतंत्रता, फिल्म निर्माण के लिए वित्तीय मॉडल, दर्शकों तक पहुंच और विश्व सिनेमा की विरासत के संरक्षण जैसे विषयों पर चर्चा होगी। सम्मेलन में 55 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के शामिल होने की जानकारी सामने आई है। खास बात यह है कि ल्यूमिएर समिट केवल फिल्मों के निर्माण पर चर्चा का मंच नहीं, बल्कि आने वाले दशक में 'मूविंग इमेज' की रचनात्मक, तकनीकी और सांस्कृतिक दिशा तय करने की कोशिश है। ऐसे वैश्विक विमर्श में भारत की आवाज के रूप में शिवेन्द्र सिंह डूंगरपुर की मौजूदगी देश की फिल्म विरासत के महत्व को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूती देगी।

स्वर्गीय चेनाराम पुत्र स्व गलाराम सीरवी बेरा रावला अरहट सरथुर की स्मृति मे भव्य मोक्ष दार का होगा निर्माण

पूर्वांचल लाईफ





पाली। बडोद ग्राम पंचायत के सरथुर ग्राम मे स्व चैनाराम पुत्र स्व गलाराम सिरवी बेरा रावला अरहट की स्मृति मे उनके भाई पेमाराम सिरवी सरथुर गांव के प्रमुख भामाशाह पिंडवाडा मे मार्बल व्यापारी द्वारा सरथुर गांव के सार्वजनिक श्मशान भुमि पर एक शानदार मोक्ष दार का निर्माण लगभग 3 लाख रुपये का बनाया जाएगा। जिसका भूमि पूजन श्री कृष्ण भक्त महन्त महेन्द्रानन्दगिरी महाराज मामाजी धाम गुडा मांगलियान के सानिध्य मे प्रशासक गोविन्दपुरी के हाथो विधि-विधानपूर्वक पुजा अर्चना कर किया। मोक्ष दार निर्माण मे भामाशाह को प्रेरित करने मे ग्राम के गणमान्य नागरिक प्रशासक गोविन्दपुरी गोस्वामी, मीठालाल श्रीमाली, हेमाराम सिरवी, रूपाराम जाट, खेताराम देवासी, नारायणसिंह चम्पावत, मानाराम मेघवाल, मागीलाल गर्ग, चेतन गर्ग, भामाशाह का आभार व्यक्त किया। यह कार्य ठेकेदार खेताराम दरगाराम देवासी को कार्य का ठेका दिया गया।

शिवगंज की 15 ग्राम पंचायतों में 37.50 लाख की लागत से बनेगी ओपन जीम

शिवगंज प्रधान कोटे से जारी हुई स्वीकृति, प्रधान ने निभाया वादा

पूर्वांचल लाईफ



शिवगंज। शिवगंज पंचायत समिति के अधीन आने वाली 15 ग्राम पंचायतों में 37.50 लाख की लागत से ओपन जीम बनने जा रही, शिवगंज प्रधान कोटे से इसकी स्वीकृति भी जारी हो गई है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में 2.50 लाख खर्च खर्च ओपन जीम बनेगी। शिवगंज प्रधान ललिता कुंवर ने पूर्व में रुखाडा में आयोजित एक कार्यक्रम में ओपन जीम की मांग उठी तो कहा था कि सभी पंचायतों में ओपन जीम शुरू होगी। उस वादे को पूरा करते हुए 15 ग्राम पंचायतों की स्वीकृति जारी की है। इन 15 ग्राम पंचायतों में शीघ्र जीम ओपन जीम बनने जा रही। 15 ग्राम पंचायतों में जीम की स्वीकृति जारी होते ही ग्रामीणों ने शिवगंज प्रधान ललिता कुंवर को धन्यवाद दिया और स्वागत किया। प्रधान ने सभी को बधाई देते हुए आभार जताया। जिन 15 गांवों में यह ओपन जीम लगने जा रही उसमें जैतपुरा, भेव, बागसीन, जोयला, मानादर (जुबलीगंज), रुखाड़ा, चूली, बडगांव, अरठवाडा, केसरपुरा, मोरली, अंदौर, आल्पा, लोटीवाडा छोटा एवं छीबागाँव का नाम सम्मिलित है। 15 गांवों में ओपन जीम की सूचना मिलने पर रुखाड़ा से शारीरिक शिक्षक वैरसिंह देवड़ा, प्रभुभाई मीणा, नारादरा से राजेंद्रसिंह देवड़ा, लोटीवाडा में सुमेरसिंह सहित अनेक लोगों ने शिवगंज प्रधान एवं उनके प्रतिनिधि विशनसिंह देवड़ा का आभार जताया। आल्पा से सरपंच नारायणलाल रावल, भंवरलाल रावल, बागसीन से छगन सिंह देवड़ा, अन्दौर से मूलसिंह, मोरली से देवाराम प्रजापत, केसरपुरा में भुवनभाई मीणा, अरठवाडा से जुझाराम मेघवाल, चूली से इंद्रसिंह, जोयला से पुखराज प्रजापत, जुबलीगंज से रमेश पुरोहित, मुकेश राजपुरोहित, जितेंद्रसिंह राजपुरोहित एवं सभी ग्राम पंचायतों से फोन द्वारा एवं व्यक्तिगत सम्पर्क कर शिवगंज प्रधान का धन्यवाद दिया। इससे पूर्व 7 ग्राम पंचायतों में ओपन जीम की स्वीकृति हुई थी जिसमें मनादर (जुबलीगंज), झाड़ोलीवीर, कैलाशनगर, नारादरा, वाण, ओडा और बडगांव में ओपन जीम की स्वीकृति जारी हुई थी। ज्ञात हो कि रुखाड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम में ओपन जीम की मांग उठी तो शिवगंज प्रधान ने कहा कि सभी ग्रामपंचायतों में ओपन जीम की शुरुआत होगी। उस वादे को शिवगंज प्रधान ने पूरा किया।

ऐसीबीईओ माली ने मांडीगढ, अलसीपुरा व राजपुरा विद्यालय का औचक निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

पूर्वांचल लाईफ





सादड़ी । अतिरिक्त मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी प्रथम देसूरी विजय सिंह माली ने निकटवर्ती मांडीगढ,अलसीपुरा व राजपुरा के विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर निर्देश दिए। पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी शंकरलाल माली ने बताया कि माली ने सुबह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मांडीगढ की प्रार्थना सभा का अवलोकन कर मिशन मानस की गतिविधियों की जानकारी ली व सराहा ।

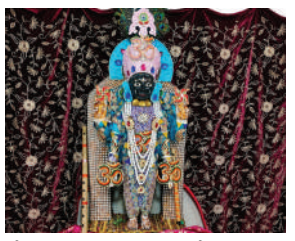
माली ने शिक्षक दिवस पर डा एस राधाकृष्णन के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने को कहा।तत्पश्चात आओ गांव चले,मिशन मानस, प्रवेशोत्सव ,मिशन मानस,हरियालो राजस्थान ,एमडीएम,दूध वितरण , लाडो योजना,आधार जनाधार प्रमाणीकरण ,रीडिंग कैंपेन व पुस्तकालय के प्रभावी संचालन की जानकारी ली व भामाशाहों से संपर्क कर सहयोग के लिए सराहा।माली ने कक्षाओं का निरीक्षण कर शिक्षण स्तर को जांचा व विद्यार्थियों से संवाद कर कार्यपुस्तिकाओं व गृहकार्य की जांच की।

माली ने जिला स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर भी चर्चा की।इस अवसर पर डा गिरधारी लाल,रमेश भाटी, चुन्नीलाल गेहलोत,निमेश मारु,शंकरलाल मीणा, कृष्ण कुमार,नरेंद्र कुमार बोहरा सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे ।तत्पश्चात माली ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय अलसीपुरा व ठल्डा बस्ती राजपुरा के विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर को जांचा व कार्य पुस्तिकाओं व उत्तर पुस्तिकाओं का अवलोकन कर संस्था प्रधान रंजीत सिंह व जया शर्मा कोआवश्यक निर्देश दिए।माली ने एम डी एम ,दूध वितरण,पुस्तकालय पुस्तक वितरण व मूवमेंट रजिस्टर का भी अवलोकन कर संस्था प्रधान दिलीप कुमार भाटी को आवश्यक निर्देश दिए।

माली ने राजेंद्र प्रसाद से रीडिंग कैंपेन व पुस्तकालय की गतिविधियों की जानकारी ली व सराहा ।इस अवसर पर प्रमोद सिंह,माणक लाल,ज्योति भाटी,हीरालाल व जगदीश सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

पाडीव में कृष्ण जन्माष्टमी की धूम, श्री सांवरिया सेठ मंदिर से श्रद्धालुओं को दी शुभकामनाएं

पूर्वांचल लाईफ



पाडीव। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व को लेकर पाडीव सहित क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर श्री सांवरिया सेठ पाडीव की ओर से समस्त श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी बंधुओं को कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं।

श्री सांवरिया सेठ पाडीव की ओर से जारी शुभकामना संदेश में कहा गया कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा सभी भक्तों एवं उनके परिवारों पर सदैव बनी रहे। प्रभु की कृपा से प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली का वास हो तथा सभी के घर-परिवार में प्रेम, सौहार्द और आनंद बना रहे। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण का पूजन-अर्चन कर परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। भक्तों ने "जय श्री कृष्ण" और "जय श्री सांवरिया सेठ" के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। दिनांक 4 सितम्बर 2026 को मनाए जा रहे इस पावन पर्व पर श्री सांवरिया सेठ पाडीव की ओर से सभी को मंगलमय एवं सुखद जीवन की शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

दिवा के विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार, आयुक्त सौरभ राव ने लिया जायजा

▪ अधूरे और लंबित प्रकल्प तत्काल पूरे करने के निर्देश; ट्रैफिक, पानी, ड्रेनेज, सफाई और सौंदर्यीकरण पर विशेष जोर

पूर्वांचल लाईफ



दिवा। दिवा प्रभाग में लंबे समय से लंबित और अधूरे पड़े विकास कार्यों को अब गति देने की कवायद तेज हो गई है। ठाणे महानगर पालिका आयुक्त सौरभ राव ने दिवा प्रभाग समिति क्षेत्र का प्रत्यक्ष दौरा कर विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए लंबित कामों को तत्काल गति देने और निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। आयुक्त के दौरे में सड़क, यातायात व्यवस्था, पुलों के लंबित कार्य, पानी की आपूर्ति, ड्रेनेज, नाला सफाई, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से सामने आए।

शीलफाटा से शुरू हुआ निरीक्षण : निरीक्षण दौरे की शुरुआत वाई जंक्शन, शीलफाटा सर्कल से हुई। दिवा-शील मार्ग पर बढ़ते यातायात को देखते हुए आयुक्त ने यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए आवश्यक उपाय तत्काल लागू करने के निर्देश दिए। खर्डी और दिवा-शील रोड के कंक्रीटीकरण, पुल के नीचे के परिसर का सौंदर्यीकरण, सड़क चौड़ीकरण और लैंडस्केपिंग के काम को गति देने के साथ ही सड़कों के गड्ढे तत्काल भरने को कहा गया।

शील-दिवा रोड तथा खाड़ी क्षेत्र में चल रहे और लंबित विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। सांडपानी वाहिनियों, नाला सफाई, विद्युत व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं के कार्य समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया।

दिवा स्टेशन क्षेत्र पर भी फोकस : दिवा पुलिस स्टेशन और रेलवे स्टेशन परिसर में भी आयुक्त ने सुविधाओं का जायजा लिया। स्टेशन परिसर में यातायात, पार्किंग, पैदल यात्रियों की सुविधा और नागरिकों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए गए। रेलवे स्टेशन परिसर की स्वच्छता और सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया गया। मनपा और संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाकर स्टेशन क्षेत्र को अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और नागरिकों के लिए सुविधाजनक बनाने के निर्देश दिए गए।

एफओबी और तालाब सौंदर्यीकरण को गति : दिवा पूर्व और पश्चिम को जोड़ने वाले रेलवे ओवर ब्रिज (एफओबी) के काम को शुरू करने के संबंध में भी आयुक्त ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। पुल के समीप नाले का काम, दिवा स्टेशन परिसर स्थित तालाब का सर्वेक्षण और उसके सौंदर्यीकरण पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा छत्रपति शिवाजी महाराज चौक में प्रतिमा और चौक के सौंदर्यीकरण के कार्य को भी आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

अधूरे प्रकल्पों पर अधिकारियों को फटकार जैसा संदेश : टाटा पावर धर्मवीर रोड का काम शुरू करने के साथ ही टाटा पावर नेशनल स्कूल परिसर में अधूरे पड़े काम का भी निरीक्षण किया गया। तकनीकी अथवा प्रशासनिक अड़चनों के कारण रुके कार्यों की वजह तलाशकर बाधाएं तत्काल दूर करने और काम में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

फेरीवालों और सफाई व्यवस्था पर सख्ती : दिवा के मुख्य मार्गों पर फेरीवालों के कारण होने वाली यातायात समस्या और नागरिकों को हो रही परेशानी का भी आयुक्त ने संज्ञान लिया। आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था मजबूत करने के लिए पर्याप्त सफाई कर्मचारी और आवश्यक मशीनरी उपलब्ध कराने को कहा गया। सार्वजनिक शौचालय, स्वास्थ्य केंद्र, पोस्ट ऑफिस, पुलिस स्टेशन और प्रभाग समिति कार्यालय परिसर समेत विभिन्न नागरिक सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया। बारिश के मौसम को देखते हुए नाला सफाई और सांडपानी व्यवस्था के काम को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए गए। दिवा-शील रोड पर रुके हुए नाले के काम को दोबारा शुरू करने पर भी चर्चा हुई। इसके लिए संबंधित किसानों को मुआवजा देने के मुद्दे पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त सौरभ राव ने स्पष्ट किया कि दिवा प्रभाग के विकास कार्य निर्धारित समय में पूरे होने चाहिए और गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अतिक्रमण, तकनीकी अड़चन या अन्य कारणों से जहां काम रुके हैं, वहां तत्काल समस्या दूर कर विकास कार्यों को रफ्तार देने के निर्देश उन्होंने अधिकारियों को दिए। दौरे के दौरान दिवा प्रभाग समिति अध्यक्ष दीपक जाधव, स्थानीय नगरसेवक रमाकांत मढवी, बाबाजी पाटील, शैलेश पाटील, आदेश भगत, नगरसेविका अर्चना पाटील, साक्षी मढवी, वेदिका पाटील सहित मनपा के वरिष्ठ अधिकारी और अभियंता उपस्थित रहे।

ठाणे मनपा के अतिरिक्त आयुक्त बने डॉ. नितीन राठोड, तीन साल के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति

पूर्वांचल लाईफ



ठाणे। ठाणे महानगर पालिका के अतिरिक्त आयुक्त पद पर सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अस्थिव्यंगोपचार विशेषज्ञ डॉ. नितीन राठोड की प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति की गई है। राज्य के नगर विकास विभाग ने 4 सितंबर को इस संबंध में शासनादेश जारी किया। डॉ. राठोड की नियुक्ति तीन वर्ष के लिए की गई है। यह पद मनिष जोशी के 31 अगस्त को सेवानिवृत्त होने के बाद रिक्त हुआ था। महत्वपूर्ण प्रशासनिक पद पर किस अधिकारी की नियुक्ति होगी, इस पर प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों की नजर थी। शासन के निर्णय के बाद अब इस पद की जिम्मेदारी डॉ. राठोड को सौंपी गई है।

कलम 39-अ के तहत नियुक्ति : महाराष्ट्र महानगर पालिका अधिनियम की धारा 39-अ के तहत डॉ. राठोड की प्रतिनियुक्ति की गई है। वे सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के ग्रुप-ए अधिकारी हैं। मूल विभाग से कार्यमुक्त होने के बाद उन्हें ठाणे मनपा के अतिरिक्त आयुक्त पद का कार्यभार संभालना होगा।

अतिरिक्त आयुक्त का पद ठाणे मनपा के प्रशासन में बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, बड़े प्रकल्पों की समीक्षा और प्रशासनिक कामकाज में महत्वपूर्ण निर्णयों के साथ-साथ आयुक्त की अनुपस्थिति में जिम्मेदारियां संभालने में अतिरिक्त आयुक्त की अहम भूमिका होती है।

एकनाथ शिंदे के ओएसडी रह चुके हैं राठोड : डॉ. नितीन राठोड की नियुक्ति को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा इसलिए भी तेज है क्योंकि वे उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के विशेष कार्य अधिकारी (OSD) के रूप में कार्यरत बताए जाते हैं। शिंदे के करीबी अधिकारी के रूप में उनकी पहचान होने के बीच ठाणे मनपा जैसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक पद पर उनकी नियुक्ति को राजनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है।

तीन साल की प्रतिनियुक्ति, लेकिन सरकार के पास वापसी का अधिकार : शासनादेश के अनुसार डॉ. राठोड की प्रतिनियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए है। हालांकि, लोकसेवा के हित में आवश्यकता महसूस होने पर सरकार उन्हें निर्धारित अवधि पूरी होने से पहले ही मूल विभाग में वापस बुला सकती है। वहीं, यदि ठाणे मनपा को उनकी सेवा की आवश्यकता नहीं रहती है, तो उन्हें मूल विभाग में वापस भेजा जा सकता है। यदि डॉ. राठोड स्वयं प्रतिनियुक्ति समाप्त कर मूल विभाग में लौटना चाहते हैं, तो उन्हें कम से कम तीन महीने पहले लिखित नोटिस शासन को देना होगा। डॉ. नितीन राठोड की नियुक्ति के बाद अब ठाणे मनपा के प्रशासन में उनकी कार्यशैली और आने वाले दिनों में लिए जाने वाले फैसलों पर सभी की नजर रहेगी।

भिवंडी में दहीहंडी का महासंग्राम, 'हम शेलारकर' ने 9 थर लगाकर रचा इतिहास''

पूर्वांचल लाईफ



भिवंडीः शहर में दहीहंडी उत्सव बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। गोविंदा पथकों के लिए लाखों रुपये के पुरस्कार रखे जाने के कारण भिवंडी के साथ-साथ ठाणे, कल्याण, मुंबई और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में गोविंदा पथक शहर में पहुंचे। दहीहंडी उत्सव के दौरान कई गोविंदा पथकों ने सात से आठ थरों के मनोरे बनाकर सलामी दी। वहीं, कपिल पाटील फाउंडेशन की ओर से छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर आयोजित भव्य दहीहंडी उत्सव में 'हम शेलारकर' गोविंदा पथक ने पहली बार सफलतापूर्वक नौ थरों की सलामी देकर नया रिकॉर्ड बनाया। इसके अलावा श्री कृष्णा गोविंदा पथक, टेमघर पाडा और चेरोबा गोविंदा पथक, कोनगांव ने आठ थरों की सलामी दी। पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटील के कपिल पाटील फाउंडेशन की ओर से आयोजित दहीहंडी उत्सव में गोविंदा पथकों के लिए 25 लाख रुपये से अधिक के पुरस्कार रखे गए थे। यहां सैकड़ों गोविंदा पथकों ने हिस्सा लिया। गोविंदा पथकों और नागरिकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न आयोजकों ने राजनीतिक नेताओं, जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ फिल्मी कलाकारों और गायकों को भी आमंत्रित किया था। शिंदे सेना के शहर अध्यक्ष सुभाष माने की ओर से स्वर्गीय आनंद दिघे चौक में दहीहंडी उत्सव आयोजित किया गया।

वहीं, भादवड़ नाका पर शिंदे सेना के पूर्व विधायक रूपेश म्हात्रे, रांजणोली नाका पर उद्धव सेना के तालुकाप्रमुख करसन ठाकरे और सोनाले में डी. वाय. फाउंडेशन के अध्यक्ष दयानंद चोरघे की ओर से दहीहंडी उत्सव का आयोजन किया गया। इसी तरह नगरसेवक यशवंत टावरे के नेतृत्व में भंडारी कंपाउंड में भी भव्य दहीहंडी उत्सव मनाया गया। क्षेत्र में भोजपुरी भाषी नागरिकों की बड़ी संख्या को देखते हुए इस आयोजन में भोजपुरी फिल्म कलाकारों और गायकों ने भी शिरकत की, जिससे उत्सव का माहौल और भी रंगीन हो गया।

भाजपा के नियोजन सभापति को ठेकेदार ने सीढ़ियों से धक्का देकर गिराया, सुरक्षा पर उठे सवाल

पूर्वांचल लाईफ





बदलापुर। भाजपा, शिवसेना नेताओं, नगरसेवकों के बीच मारपीट की घटना सामने आ रही है। जिसके कारण भाजपा का वजूद घटता दिखाई दे रहा है। शुक्रवार को उल्हासनगर के दो नगरसेवक अपने समर्थकों के साथ उल्हासनगर मनपा मुख्यालय में सभापति कार्यालय में पटका पटकी की। मामला पुलिस स्टेशन तक पहुंच गया है। उसके बाद कुळगाव- बदलापूर नगर परिषद में भाजपा के नगरसेवक और नियोजन समिति सभापति संभाजी शिंदे को एक ठेकेदार द्वारा सीढ़ियों से धक्का देकर गिराए जाने की घटना से बदलापुर में हड़कंप सा मच गया है। यह घटना नगर परिषद के सुरक्षा रक्षक केबिन के सामने ही घटित हुई, सारा मामला सीसीटीवी में कैद हो गया है। जिससे नगरसेवकों की सुरक्षा का मुद्दा फिर से गरमा गया है।

यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब 3.30 बजे नगर परिषद इमारत के प्रवेश द्वार पर हुई। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि संभाजी शिंदे और ठेकेदार भरत नवगिरे दोनों आपस में बातचीत कर रहे हैं। बातचीत के बाद जैसे ही शिंदे जाने लगे, नवगिरे ने अचानक उन्हें जोरदार धक्का दे दिया, जिससे वे कई सीढ़ियों से लुढ़कते हुए करीबन पांच फुट नीचे खड़ी एक कार के दरवाजे के पास जा गिरे। गनीमत रही कि उस वक्त कार के पास खड़े राष्ट्रवादी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अविनाश देशमुख ने उन्हें संभाल लिया, वरना गंभीर चोट लग सकती थी। जिसका परिणाम कुछ भी हो सकता था।

हादसे का क्या है कारण

संभाजी शिंदे से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि ठेकेदार भरत नवगिरे अपने प्रलंबित बिलों के भुगतान के लिए उनसे मदद मांग रहा था। शिंदे ने कहा कि इस प्रक्रिया से उनका कोई संबंध नहीं है। इसी बात पर पहले शांतिपूर्वक बात कर रहा ठेकेदार अचानक आक्रामक हो गया और धक्का-मुक्की की। शिंदे ने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की बात कही है। वहीं ठेकेदार भरत नवगिरे से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

राकांपा (अ.प.) के जिला महासचिव व मीडिया प्रमुख बने निनाद घरत

कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में हर्ष।

पूर्वांचल लाईफ



पालघर। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) दल की ओर से औद्योगिक शहर बोईसर निवासी वरिष्ठ पत्रकार निनाद घरत को पालघर जिला का महासचिव और मीडिया प्रमुख नियुक्त किया गया है। राकांपा (अजित पवार) दल के जिलाध्यक्ष और पूर्व विधायक आनंद ठाकुर की ओर से पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्षा सुनेत्रा अजित पवार के आदेशानुसार व प्रदेशाध्यक्ष सांसद सुनील तटकरे की संस्तुति पर वरिष्ठ पत्रकार निनाद घरत को जिले के पार्टी दफ्तर में नियुक्त पत्र वरिष्ठ पदाधिकारीयों की ओर से सौंपी गई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अ.प.) पक्ष ने उम्मीद जताया है कि निनाद घरत पार्टी को जिले में सबल बनाने में बड़ी भूमिका का निर्वहन करेंगे। मीडियाकर्मियों से एक अनौपचारिक बातचीत में राकांपा (अजित पवार) दल के नवनियुक्त महासचिव निनाद घरत ने कहा है कि पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा से पूरा करने की कोशिश रहेंगी। जिले में पार्टी का बढ़ते जनाधार से कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में काफी उत्साह नजर आ रहा है।

दही हंडी उत्सव में 12 गोविंदा घायल, ठाणे के दो अस्पतालों में उपचार जारी

पूर्वांचल लाईफ

ठाणे। कृष्ण जन्माष्टमी और दही हंडी उत्सव के दौरान मानव पिरामिड बनाते समय ठाणे में कुल 12 गोविंदाओं के घायल होने की जानकारी सामने आई है। इनमें से 4 गोविंदाओं को छत्रपती शिवाजी महाराज अस्पताल तथा 8 गोविंदाओं को जिला शासकीय अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। यह जानकारी 5 सितंबर 2026 को शाम 5:30 बजे तक की है।

छत्रपती शिवाजी महाराज अस्पताल में भर्ती 4 गोविंदा : जतिन पाटील को कमर और गर्दन में चोट लगी है। 31 वर्षीय जतिन केशरी की कमर में चोट आई है। 65 वर्षीय नंदकिशोर शेलार के सिर में चोट लगी है, जबकि 35 वर्षीय निखिल यादव के बाएं हाथ में मामूली चोट आई है।

जिला शासकीय अस्पताल में 8 गोविंदा भर्ती : जिला शासकीय अस्पताल में भर्ती गोविंदाओं में 21 वर्षीय हर्ष शर्मा और 23 वर्षीय गिरीश चिपकर को मामूली चोटें आई हैं। 25 वर्षीय ओमकार शिंदे के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हुआ है। 21 वर्षीय अमन यादव के दाहिने हाथ, 19 वर्षीय आयुष गुप्ते की पीठ और 23 वर्षीय अमेय नाईक के दाहिने हाथ में मामूली चोट लगी है। इसके अलावा 30 वर्षीय आकाश घाडगे के दाहिने पैर तथा 26 वर्षीय अनिश रोकड़े के दाहिने पैर में चोट आई है। सभी घायलों का अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

सभापति मेमोरियल हाईस्कूल एंड जूनियर कॉलेज में मनी 'श्रीकृष्ण जन्माष्टमी'

छात्रों ने प्रस्तुत किये सांस्कृतिक कार्यक्रम।

पूर्वांचल लाईफ



बोईसर (पालघर)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर औद्योगिक शहर बोईसर पूर्व धनानी नगर (श्री कृष्णा नगर) स्थित सभापति मेमोरियल हाईस्कूल एंड जूनियर कॉलेज में इस वर्ष भी विद्यार्थियों ने उत्साह और उमंग के साथ धुमधाम से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव शुक्रवार,४ सितंबर को मनाया।

भक्तिभाव से सराबोर और आनंदमय वातावरण में विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आर्दशों और गीता में दिये गये संदेश पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम को प्रस्तुत करते शिक्षकों, अभिभावकों और अतिथियों के हाथों से शाबाशी बटोरी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा की गयी श्रीकृष्ण और राधा रानी की वेशभूषा में बांसुरी की धुन और भक्तिगीत पर नृत्य, बाल-गोपाल की आकर्षक झांकियां और माखन चोरी ने खुब आनंद की अनुभूति कराई। इस अवसर पर विद्यार्थियों के उत्साह वर्धन के पधारे विद्यालय के ट्रस्टी प्रदीप पाठक ने विद्यार्थियों की प्रस्तुति पर पीठ थपथपाते कहा कि भगवान श्रीकृष्ण हमें अच्छे कर्म के साथ सत्य,प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते है। इसलिए जीवन में शिक्षा के साथ अच्छा संस्कार होना बेहद जरूरी है। पाठक ने सभी को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामना देते हुए ऐसे आयोजनों के लिए विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा यादव,मुख्यध्यापिका ज्योत्स्ना चुरी,समस्त शिक्षक वृंद के प्रयासों का भी सराहना किया।

गणेशोत्सव से पहले नवी मुंबई में अवैध फेरीवालों और स्कूल किनारे पान की दुकानों पर चलेगा मनपा का डंडा; रात 11 बजे के बाद फूड स्टॉल बंद

पूर्वांचल लाईफ



नवी मुंबई। नागरिकों को बाधा रहित फुटपाथ उपलब्ध कराने और नशीले पदार्थों के बढ़ते खतरे से छात्रों को बचाने के लिए नवी मुंबई महानगरपालिका ने कमर कस ली है.आगामी गणेशोत्सव को देखते हुए महापालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने सभी विभागीय अधिकारियों और पुलिस प्रशासन के साथ समीक्षा बैठक कर शहरभर में तत्काल धड़क कार्रवाई शुरू करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्कूल या कॉलेज के 50 मीटर के दायरे में पान की टपरी नहीं दिखनी चाहिए, इसके लिए स्कूल प्राचार्यों और पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त अभियान चलाया जाएगा. इसके साथ ही पदपथों को पूरी तरह अतिक्रमणमुक्त करने के लिए अधिकृत फेरीवालों को वैकल्पिक जगह दी जाएगी, जबकि अनधिकृत फेरीवालों को फौरन हटाया जाएगा. देर रात तक लगने वाली अवैध खान-पान की गाड़ियों पर रोक लगाने के लिए विशेष रात्रि दस्ते तैनात किए जाएंगे और रात 11 बजे के बाद सड़कों पर खाद्य सामग्री बेचने पर पूर्ण पाबंदी रहेगी. इसके अलावा रेलवे स्टेशनों के आसपास नशीले पदार्थों की रोकथाम, सड़कों व पार्किंग में लावारिस पड़े वाहनों को जब्त करने, गड्ढामुक्त सड़कों और गणेशोत्सव के लिए विसर्जन मार्गों की तैयारियों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

"गुरु की डांट में छिपा होता है उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद; शिक्षक दिवस पर आशीर्वाद स्कूल में गूंजा गुरु सम्मान का संदेश"

पूर्वांचल लाईफ



भिवंडी : नागांव-चाविंद्रा स्थित आशीर्वाद हिंदी हाई स्कूल एवं डॉ. डी. एस. पालीवाल इंग्लिश हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज में भारत के द्वितीय राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस हर्षोल्लास और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गुरु के महत्व को रेखांकित करते हुए अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के पूजन से हुआ।

विद्यालय के मुख्याध्यापक दीपक सिंह ने उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। विद्यार्थियों ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन, उनके शैक्षणिक योगदान तथा शिक्षक दिवस की महत्ता पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में युवा इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रकाश शेट्टी, सचिव नवल चौरसिया, कोषाध्यक्ष एवं वित्तीय सलाहकार पुरुषोत्तम पोटू, आईटी प्रोफेशनल एवं जनरल मिल्स कंपनी के ग्लोबल सॉल्यूशन मैनेजर तथा युवा इंडिया फाउंडेशन के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद सिरिसिल्ला और डॉ. डी. एस. पालीवाल जूनियर कॉलेज के प्रा. राहुल शाह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर विनोद सिरिसिल्ला ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में गुरु की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। गुरु का मार्गदर्शन जीवन को सही दिशा देता है और सफलता की राह आसान बनाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से गुरुजनों एवं माता-पिता का सम्मान करने और उनके मार्गदर्शन को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। मुख्याध्यापक दीपक सिंह ने कहा कि माता-पिता के बाद गुरु ही बच्चों के भविष्य को संवारने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु की डांट में भी विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य की चिंता छिपी होती है।

शिक्षक बच्चों की कमजोरियों को पहचानकर उन्हें सुधारने का प्रयास करते हैं और सफलता की दिशा दिखाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ शिक्षक आर. एम. श्रीवास, महफूज अंसारी, आनंद सिंह, गणेश पाटिल, सीदाराम चौगुले, आकाश पांडे, सूरज सिंह, सुरेश यादव, सरोज सिंह तथा शिक्षकेतर कर्मचारी लाल बिहारी विश्वकर्मा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक आकाश पांडेय ने किया।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का भव्य आयोजन

पूर्वांचल लाईफ



दिवा के दातीवली रोड स्थित नरहरी समाज हॉल में काजल कैटर्स के सौजन्य से श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मौजूद भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया और संगीतमय भजन कीर्तन का आनंद लिया। कार्यक्रम में उपस्थित रहे महाराष्ट्र उत्तर भारतीय महासंगठना के अध्यक्ष सुशील पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार उदयभान पांडेय, वरिष्ठ समाजसेवक रामसजीवन दुबे, ध्रुव कुमार तिवारी, जीतू गुप्ता, एड. बिपिन दुबे, गौरीशंकर पटवा, गणेश पाठक, दीपक पाठक, संतोष तिवारी, श्यामसुंदर मिश्रा, दिव्यांस पाण्डेय, संजय पाण्डेय, विशाल मिश्रा, विकास मिश्रा, महेश मिश्रा, अशोक मिश्रा, विनोद गुप्ता, संजय चौरसिया (नागरिक इलेक्ट्रॉनिक) प्रदीप जायसवाल आदि का स्वागत कार्यक्रम के आयोजक एवं काजल कैटर्स के प्रबंधक संजय चौरसिया और विकास चौरसिया उर्फ पप्पू ने शाल और पुष्प गुच्छ देकर किया।

भजन गायक दिनेश पाण्डेय उर्फ जख्मी, सचिन विश्वकर्मा, विनायक सिंह, भूपेंद्र मिश्रा, अनुराग चौबे, राम नवल मिश्रा, अमित शुक्ला आदि ने अपनी अपनी भजन गायकी से उपस्थित भक्तों को भावविभोर कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

धर्म और जाति पूछकर ऑटो चालक को पीटा, दो हिरासत में

गोरखपुर , एजेंसी। कस्बे की सब्जी मंडी में बृहस्पतिवार रात बाइक सवार युवक ने साथियों के साथ ऑटो चालक से मारपीट की। आरोप है कि मारपीट से पहले युवकों ने उनकी जाति और धर्म पूछा। पीड़ित ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने दो लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। बेलनापार निवासी संजीत तिवारी ने बताया कि वह ऑटो चलाते हैं और बाबा बागेश्वरधाम के शिष्य बनने के बाद दाढ़ी रखने लगे हैं। रात करीब आठ बजे इंटर कॉलेज के सामने इंडिकेटर देकर ऑटो मोड़ने के दौरान अपाची सवार युवक से विवाद हो गया। लोगों ने दोनों को शांत करा दिया। आरोप है कि सब्जी मंडी पहुंचने पर वही युवक साथियों के साथ आया और जाति-धर्म पूछने के बाद मारपीट की। थाना प्रभारी चंद्रप्रकाश पांडेय ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज की गई है और दो लोगों को पूछताछ के लिए लाया गया है।

प्रधानाध्यापक को दिया जाएगा नेतृत्व क्षमता बढ़ाने का प्रशिक्षण

कानपुर, एजेंसी। परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को अब स्कूल संचालन और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विकसित किए गए प्रशिक्षण मॉड्यूल सक्षम के आधार पर डायट नरवल में सात से नौ सितंबर तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इसके लिए बीईओ को शत-प्रतिशत उपस्थिति कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान नर्वल के प्राचार्य एवं उप शिक्षा निदेशक प्रवीण कुमार तिवारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजकर प्रशिक्षण में नामित प्रधानाध्यापकों को कार्यमुक्त करने के निर्देश दिए हैं। सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को अपने विकासखंड से संबंधित प्रधानाध्यापकों की प्रशिक्षण में शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशिक्षण सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा।

हैवल्स के साथ मिलकर प्रभावी सस्ती एनर्जी बनाएगा आईआईटी

कानपुर, एजेंसी। पर्यावरण के हित में सस्ती और प्रभावी एनर्जी बनाने के लिए आईआईटी कानपुर ने हैवल्स इंडिया लिमिटेड के साथ समझौता किया है। इसके तहत आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिक हैवल्स के साथ मिलकर ऊर्जा क्षेत्र में नई तकनीकों और व्यावहारिक एवं बड़े स्तर पर इस्तेमाल की जा सकने वाली तकनीकों को विकसित करने के लिए मिलकर शोध करेंगे। प्रभावी सस्ती एनर्जी बनाने का प्रयास किया जाएगा।समझौते पर हैवल्स एसडीए के वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स) वसीम शोरा और आईआईटी कानपुर के डीन रिसर्च एवं डेवलपमेंट प्रो. जयंधरन जी राव ने हस्ताक्षर किया। इसके तहत ऊर्जा क्षेत्र की उभरती जरूरतों के अनुरूप तकनीकी समाधान विकसित किए जाने की उम्मीद है। संस्थान के अनुसार यह साझेदारी भारत की ऊर्जा सुरक्षा, टिकाऊ विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है। इस दौरान आईआईटी के प्रो. राजीव जिंदल और प्रो. मनोज कुमार तिवारी आदि मौजूद रहे।

31 दिसंबर तक बिलेटेड रिटर्न संभव पर देना होगा शुल्क

कानपुर, एजेंसी। जिन करदाताओं ने कर निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए अपने गैर ऑडिट रिटर्न 31 अगस्त 2026 तक दाखिल नहीं किए हैं। ऐसे आयकरदाता अभी भी बिलेटेड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। आयकर विभाग के अनुसार बिलेटेड रिटर्न 31 दिसंबर 2026 तक दाखिल किए जा सकेंगे। देरी से फाइल करने पर शुल्क लगेगा। सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल ऑफ आईसीएआई के पूर्व सभापति सीए दीप मिश्रा ने बताया कि कुल आय पांच लाख रुपये तक होने पर एक हजार रुपये और पांच लाख रुपये से अधिक होने पर पांच हजार रुपये का शुल्क देना होगा। इसके अतिरिक्त परिस्थितियों के अनुसार कर देनदारी पर लागू होने वाला ब्याज भी देय हो सकता है। जिन करदाताओं ने अपनी आयकर रिटर्न पहले ही दाखिल कर दिए हैं लेकिन बाद में उन्हें कोई गलती मिलती है, वे संशोधित रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। 31 दिसंबर 2026 तक संशोधित रिटर्न दाखिल करने पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगेगा। एक जनवरी 2027 से 31 मार्च 2027 के बीच दाखिल करने पर अतिरिक्त शुल्क लागू होगा।

अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी से एलेनहाउस इंस्टीट्यूट का करार

कानपुर, एजेंसी। एलेन हाउस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर के प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में अहम कदम उठाया है। संस्थान ने अमेरिका की सॉफ्टवेयर कंपनी माइंड पावर सॉल्यूशंस के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। करार के तहत कंपनी संस्थान परिसर में अपना सिटी ऑफिस स्थापित करेगी जहां से छात्रों को इंटर्नशिप, रियल-टाइम प्रोजेक्ट्स और पूर्णकालिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। संस्थान के निदेशक प्रो. मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि इस पहल से विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान ही अमेरिका के रियल-टाइम प्रोजेक्ट्स पर काम करने का अवसर मिलेगा। इससे वे वैश्विक सॉफ्टवेयर उद्योग की कार्यशैली, आधुनिक तकनीकों और अंतरराष्ट्रीय कार्य संस्कृति से परिचित होंगे।एमओयू के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योग जगत के साथ सीधे जुड़ने, वास्तविक परियोजनाओं पर काम करने तथा अपनी तकनीकी और पेशेवर दक्षताओं को विकसित करने का अवसर मिलेगा। संस्थान के संयुक्त सचिव जावेद हाशमी, अपर निदेशक प्रो. अतुल चतुर्वेदी, डीन रिसर्च प्रो. वरुण शुक्ला तथा माइंड पावर सॉल्यूशंस के डॉ. सुनील यादव सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षक मौजूद रहे।

114 साल पुरानी आईएमए में इस बार निर्विरोध चुनाव के आसार

कानपुर, एजेंसी। 114 साल पुरानी इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की कानपुर शाखा में इस बार चुनाव निर्विरोध होने के आसार नजर आ रहे हैं। नामांकन प्रक्रिया के चार दिन बीतने के बाद अध्यक्ष समेत विभिन्न पदों पर एक ही पैनल के डॉक्टरों ने नामांकन कराया है। वहीं कार्यकारिणी समिति के 48 पदों के लिए भी अब तक एक तिहाई से कम नामांकन हुए हैं। अंतिम तिथि छह सितंबर है।

देश में आईएमए की स्थानीय शाखाओं में कानपुर शाखा की शुरुआत वर्ष 1912 में हुई थी। इस बार वार्षिक चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया एक सितंबर से शुरू हुई है। अध्यक्ष पद के लिए डॉ. अमित सिंह गौर ने नामांकन कराया है। उनके पैनल से सचिव पद के लिए डॉ. दीपक श्रीवास्तव, चार उपाध्यक्ष पदों के लिए डॉ. दिनेश सिंह सचान, डॉ. विकास मिश्रा, डॉ. सुभी वरयानी और डॉ. गणेश शंकर ने पर्चे दाखिल किए हैं।

वित्त सचिव पद के लिए डॉ. क्षमा शुक्ला, संपत्ति सचिव के लिए डॉ. सौरभ लूथरा, वैज्ञानिक सचिव के लिए डॉ. रेनू सिंह गहलोत, पुस्तकालय सचिव के लिए डॉ. मिलन सचान, सांस्कृतिक सचिव के लिए डॉ. गौरव मिश्रा और क्रीड़ा सचिव पद के लिए मानव लूथरा ने नामांकन किया है। कार्यकारिणी समिति के 48 सदस्य पदों के लिए पहले दिन आठ डॉक्टरों ने नामांकन कराया। इनमें डॉ. देवज्योति देबरॉय, डॉ. कुश पाठक, डॉ. प्रदीप गुप्ता, डॉ. अंबर वरयानी, डॉ. एके गुप्ता, डॉ. हेमलता शुक्ला, डॉ. शिवांशु मिश्रा और डॉ. अवधेश शर्मा शामिल हैं।

बादल खूब बरसे, फिर भी प्यासे रह गए प्रदेश के 28 जिले;

मानसून की मेहरबानी में बड़ा अंतर



लखनऊ , एजेंसी। एक ही प्रदेश, एक ही मानसून और बारिश की दो बिल्कुल अलग तस्वीरें। कहीं पानी ही पानी, कहीं बारिश की भारी कमी। उत्तर प्रदेश में कहीं बादल जमकर बरस रहे हैं तो कहीं उनके इंतजार में खेत सूखे पड़े हैं। अगस्त में भारी बारिश के दौर के बावजूद प्रदेश के आठ जिलों में सामान्य से 60 से 90 फीसदी तक कम वर्षा दर्ज की गई है।

आठ जिले अब भी अच्छी बारिश को तरसे : क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में मानसून की बारिश का वितरण अब भी बेहद असमान है। आठ जिलों में सामान्य से 60 से 90 फीसदी तक कम वर्षा दर्ज की गई है। इनमें भदोही, देवरिया, कुशीनगर, कानपुर देहात, गाजियाबाद और शामली समेत अन्य जिले शामिल हैं। यानी कई इलाकों में अगस्त की तेज बारिश के बावजूद पानी की कमी बनी हुई है।

20 और जिलों में भी सामान्य से कम बरसे बादल : प्रदेश के 20 अन्य जिलों में भी सामान्य से 20 से 59 फीसदी तक कम बारिश हुई है। इनमें गोरखपुर, जौनपुर, महाराजगंज, मऊ, संतकबीरनगर, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर और सीतापुर जैसे जिले शामिल हैं। इससे साफ है कि अच्छी बारिश का दौर आने के बावजूद मानसून का फायदा प्रदेश के सभी हिस्सों तक एक जैसा नहीं पहुंच सका।

कहीं जलभराव, कहीं सूखे जैसे हालात : हाल के दिनों में प्रदेश के कई जिलों में तेज और भारी बारिश हुई। कहीं सड़कों और निचले इलाकों में जलभराव हुआ तो कहीं नदियों का जलस्तर बढ़ गया। इसके उलट कम बारिश वाले जिलों में खेतों और ग्रामीण इलाकों में पानी की कमी बनी हुई है। एक ही समय में प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश की यह विपरीत तस्वीर मानसून के असमान वितरण को साफ तौर पर सामने ला रही है।

सितंबर की बारिश पर टिकी नजर : कम बारिश वाले जिलों के लिए अब सितंबर की बारिश बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। सितंबर मानसून का अंतिम चरण है और इसी महीने की वर्षा से अब तक की कमी कुछ हद तक पूरी होने की उम्मीद है।

नया अध्याय, 2401 दिन बाद बदला राम मंदिर ट्रस्ट का स्वरूप; 2020 में गठित ट्रस्ट में पहली बार बड़ा फेरबदल

लखनऊ , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट से राम मंदिर के पक्ष में फैसला आने के बाद भव्य मंदिर निर्माण का रास्ता साफ हुआ और केंद्र सरकार के निर्देश पर पांच फरवरी 2020 को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन किया गया। करीब 2401 दिन यानी छह साल 209 दिन बाद ट्रस्ट का स्वरूप एक बार फिर बड़े बदलाव से गुजरा है। मंदिर निर्माण से लेकर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा और निर्माण पूरा होने तक जिस टीम ने ट्रस्ट की कमान संभाली, अब उसमें व्यापक फेरबदल हो गया है।

चढ़ावा चोरी की घटना के बाद उठे सवालों ने ट्रस्ट को नेतृत्व और व्यवस्थागत स्तर पर बदलाव के लिए मजबूर किया। ट्रस्ट के गठन के समय विहिप के पदाधिकारी चंपत राय को महासचिव और श्रीराम जन्मभूमि न्यास के तत्कालीन अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास को अध्यक्ष बनाया गया था। वहीं गोविंद देव गिरि कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी देते हुए 15 सदस्यीय ट्रस्ट का स्वरूप सामने आया।

ट्रस्ट के गठन के बाद सबसे पहले करीब 30 वर्षों तक टेंट में विराजमान रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हुए। 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। इसके बाद राम मंदिर परिसर में 18 अन्य मंदिरों के निर्माण का काम भी आगे बढ़ा। 25 नवंबर 2025 को राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के साथ मंदिर निर्माण की पूर्णता घोषित की गई।

इसी बीच चार जून को राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना सामने आने के बाद ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। मामले ने तूल पकड़ा और ट्रस्ट की व्यापक स्तर पर किरकिरी हुई। दबाव के बीच महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने इस्तीफा दे दिया।

एसएन में मरीजों की भीड़, इमरजेंसी फुल

कुछ को देनी पड़ रही ऑक्सीजन



आगरा, एजेंसी। बदलता मौसम लोगों को बीमार कर रहा है। अस्थमा-सांस रोगियों की परेशानी भी बढ़ा रहा है। हालत गंभीर होने पर मरीज इमरजेंसी आ रहे हैं। इनको ऑक्सीजन भी देनी पड़ रही है। वायरल फीवर, डायरिया, निमोनिया और पीलिया के मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। इससे इमरजेंसी फुल है।

आकस्मिक अधिकारी डॉ. संजीव बघेल ने बताया कि मौसम बदलने, प्रदूषण से एलर्जी बढ़ रही है। अस्थमा और सांस रोगियों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। सीने में जकड़न के साथ सांस उखड़ रही है। इससे अस्थमा अटैक का खतरा भी है। ऐसे मरीज इमरजेंसी में आ रहे हैं। इनको दवा देने के साथ मरीज को ऑक्सीजन भी दी जा रही है। इमरजेंसी प्रभारी डॉ. चंद्रप्रकाश गौतम ने बताया कि बारिश हो रही है और तापमान में भी लगातार अंतर आ रहा है। इससे पीलिया, वायरल फीवर, निमोनिया, डायरिया के मरीजों की संख्या दोगुना तक बढ़ गई है। हालत खराब होने पर रोजाना 30-40 मरीज भर्ती हो रहे हैं। राहत की बात है कि इलाज के बाद 24 घंटे में अधिकांश मरीज डिस्चार्ज हो रहे हैं।

वक्ष एवं क्षय रोग विभाग के डॉ. गजेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि मौसम में बदलाव के चलते सांस, अस्थमा के मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है। दरअसल, सांस नलिकाओं में कार्बन तत्व और धूल के अति सूक्ष्म कण पहुंचने से संक्रमित हो जाती हैं। इससे सीने में जकड़न, खांसी होने लगती है। टीबी के मरीजों के खांसी के साथ खून आने की भी शिकायत मिल रही है। मरीजों को दवाओं की डोज बढ़ाकर देनी पड़ रही है।

एलएसजी जीती, कोहली फैंस का टूटा दिल

लखनऊ , एजेंसी। जब बात किंग कोहली और आरसीबी की बात हो तो हर मैदान उनका घर बन जाता है। बृहस्पतिवार को कुछ ऐसा ही नजारा दिखा इकाना स्टेडियम में। लोगों को बेसब्री से विराट की बल्लेबाजी का इंतजार था। हालांकि इस बार लोगों को मायूसी हाथ?लगी और विराट कोहली प्रिंस यादव की शानदार गेंद पर शून्य के स्कोर पर बोल्ड हो गए। कोहली का विकेट गिरते ही स्टेडियम में सन्नाटा छा गया।?

इससे पहले कोहली के फैंस के विराट सैलाब को देखते हुए लग रहा था कि मानो मुकाबला चिन्नास्वामी में हो रहा हो। इकाना मिनी बंगलूरू लग रहा था। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले ही क्रिकेट प्रेमियों का ऐसा जुनून उमड़ा कि दोपहर तीन बजे तक स्टेडियम के आसपास के पांच सौ मीटर तक सड़क लाल और सुनहरे रंगों के सैलाब में डूबी गई थी।

बारिश ने खूब खेली आंख मिचौली: लखनऊ और बंगलूरू के बीच खेला गया मुकाबले में बारिश ने खूब आंख मिचोली खेली। पहले बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की पारी के दौरान बारिश के चलते मुकाबला तीन बार प्रभावित हुआ। पहली बार पारी के दूसरे ओवर में दस मिनट का व्यवधान हुआ, जबकि दूसरी बार पारी के नौवें ओवर में 38 मिनट तक खेल रुका रहा। पारी के 14 ओवर के खत्म होते ही बारिश एक बार फिर शुरू हुई। मैच शुरू होने में 37 मिनट और लगे। मुकाबले



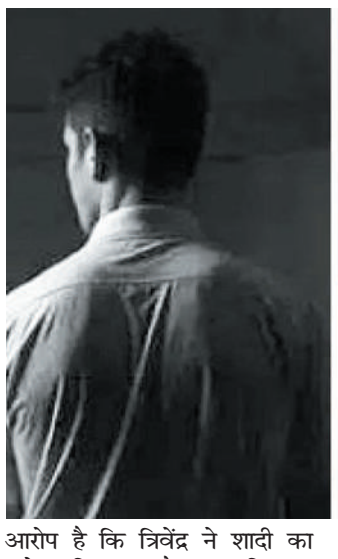
में कुल एक घंटे और 25 मिनट का खेल बारिश के चलते प्रभावित हुआ। इस कारण मैच में दो ओवर घटाकर मुकाबला 19-19 ओवर का कर दिया गया।

नहीं चला कोहली का बल्ला : लखनऊ। मुकाबले के सबसे बड़ा आकर्षण विराट को देखने के लिए इकाना स्टेडियम प्रशंसकों से पटा हुआ था, लेकिन वे अपना खाता भी नहीं खोल सके। पारी का दूसरा ओवर फेंकने आए प्रिंस यादव की खूबसूरत इनस्विंग पर किंग कोहली बोल्ड हो गए। उनके आउट होते ही पूरे स्टेडियम में सन्नाटा पसर गया। उनके आउट होने के बाद प्रशंसकों का लखनऊ प्रेम जाग उठा और सभी अपनी घरेलू टीम को सपोर्ट करने लगे।

हमें पता था कि इस लक्ष्य को कैसे चेज करना है। लड़कों ने अच्छा खेल दिखाया। हम जीत से केवल एक या दो हिट दूर थे। गेंद बल्ले पर अच्छी तरह से आ रही थी। मैच के तुरंत बाद हार का विश्लेषण करना कठिन है। हमारे पास चार मैच और हैं और हम एक समय में एक ही मैच को ले रहे हैं। मपावरप्ले के बाद मैं थोड़ा संशय में था कि मार्श के सामने किस गेंदबाज को लगाऊं। हमारे बल्लेबाजों ने काफी अच्छा खेल दिखाया।

यह हमारे लिए काफी अच्छा मुकाबला था। पूरी टीम के लिए यह जीत काफी मायने रखती है।हमारी किस्मत कई बार उतनी अच्छी नहीं रही, लेकिन यहां जीत हासिल करके काफी खुशी हो रही है। दिग्वेश राठी और शाहबाज में से किसे आखिरी ओवर दिया जाए, यह एक मुश्किल फैसला था। ऐसे में आपको अपने गेंदबाज पर भरोसा करना होता है। रोमारियो शेफर्ड के लिए दिग्वेश राठी सही गेंदबाज थे। मार्श की पारी अविश्वसनीय थी। **-ऋषभ पंत (कप्तान,** लखनऊ सुपरजायंट्स)

सच्ची मोहब्बत पाने के लिए पुरुष से बन गया स्त्री, फिर प्रेमी का ऐसा सच आया सामने; चूर-चूर हुए सपने





आगरा, एजेंसी। आगरा में एक किन्नर ने जिसे जीवनसाथी समझा, उस पर भरोसा कर जिंदगी का सबसे बड़ा फैसला ले लिया। शादी का वादा मिला तो लिंग परिवर्तन का ऑपरेशन कराकर पुरुष से स्त्री बन गई। मगर कुछ समय बाद जब पता चला कि प्रेमी पहले से शादीशुदा है तो उसके सपनों की दुनिया बिखर गई।

आरोप है कि प्रेमी ने न केवल उसका शारीरिक और भावनात्मक शोषण किया बल्कि चार लाख रुपये और बुलेट बाइक भी ले ली। रुपये और बाइक वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी गई। इस मामले की पुलिस आयुक्त दीपक कुमार से शिकायत के बाद सिकंदरा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

सिकंदरा क्षेत्र की रहने वाली और वर्तमान में बाराबंकी में अपनी गुरु के साथ रह रही पीड़िता ने पुलिस को बताया कि करीब दो साल पहले उसकी मुलाकात सिकंदरा निवासी त्रिवेंद्र सिंह से हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। आरोप है कि त्रिवेंद्र ने शादी का भरोसा दिलाया और कहा कि वह उसे पत्नी बनाकर रखेगा। इसी भरोसे में वह उसके साथ अलग-अलग होटलों में जाती रही। आरोप है कि इस दौरान आरोपी उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा और शादी का वादा करता रहा।

पीड़िता के मुताबिक, 8 दिसंबर 2025 की रात त्रिवेंद्र उसे एक होटल में ले गया। वहां उसने लिंग परिवर्तन कराने का दबाव बनाया। आरोप है कि उसने साफ कह दिया कि जब तक वह ऑपरेशन कराकर पुरुष से स्त्री नहीं बनेगी, वह शादी नहीं करेगा। प्रेम और शादी के भरोसे में पीड़िता ने उसकी बात मान ली और लिंग परिवर्तन करा लिया। उसे उम्मीद थी कि अब दोनों साथ जिंदगी बिताएंगे मगर इसके बाद भी उसके हिस्से में इंतजार और धोखा ही आया।

बधाई की कमाई भी लेता रहा

पीड़िता का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद भी आरोपी उसके साथ शोषण करता रहा। वह किन्नर समुदाय की परंपरा के अनुसार बधाई मांगकर जो रुपये लाती, उनमें से भी त्रिवेंद्र रकम ले लेता था। इस तरह उसने करीब चार लाख रुपये नकद ले लिए।

शादीशुदा निकला प्रेमी

कुछ समय बाद पीड़िता को पता चला कि जिस व्यक्ति को वह अपना जीवनसाथी मान बैठी थी, वह पहले से विवाहित है। यह जानकारी मिलने पर वह टूट गई। जब उसने त्रिवेंद्र से अपने रुपये और बुलेट वापस मांगी तो आरोपी और उसकी पत्नी किरण ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया और जान से मारने की धमकी दी।

घर और स्कूल की दोहरी जिम्मेदारी निभा रहीं महिला शिक्षिकाएं

गोरखपुर , एजेंसी। आज के समय में शिक्षक की भूमिका सिर्फ पढ़ाने तक सीमित नहीं रह गई है। उस पर यदि शिक्षिका महिला हो तो चुनौती और भी बढ़ जाती है। विद्यालयों में तैनात महिला शिक्षिकाएं इस दोहरी चुनौती को बखूबी स्वीकार कर रही हैं। सुबह-तड़के घर संभालना, फिर स्कूल में पूरे दिन बच्चों को संभालना और शाम को फिर परिवार की जिम्मेदारी में जुट जाना, यही उनकी रोजमर्रा की हकीकत बन गई है।

इन शिक्षिकाओं के अनुभव बताते हैं कि किस तरह नारी शक्ति अपने समर्पण, ममता और बेहतरीन समय प्रबंधन के दम पर घर और स्कूल की दोहरी भूमिका को एक साथ निभा रही है। प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रंजना सिंह बताती हैं कि एक महिला शिक्षिका होने के नाते जिम्मेदारी बहुत व्यस्त और चुनौती भरी होती है। जब वे स्कूल में होती हैं तो उनकी पूरी जिम्मेदारी स्कूल के बच्चे होते हैं। बच्चों को पढ़ाना, उनकी उपस्थिति, मध्याह्न भोजन, साफ-सफाई से लेकर अभिभावकों से संवाद तक सब देखना पड़ता है। वहीं जब घर पर होती हैं तो पूरा घर, परिवार और अपने बच्चे उनकी जिम्मेदारी बन जाते हैं। वे कहती हैं, स्कूल में बच्चों का भविष्य और अच्छे संस्कार सिखाने की जिम्मेदारी है, वहीं घर लौटकर परिवार की जिम्मेदारी भी संभालनी पड़ती है। इसी तरह हम शिक्षिका होने के साथ-साथ मां, पत्नी, बेटी और बहू की जिम्मेदारियां भी बखूबी निभा लेते हैं।

वहीं शिक्षिका अंशु बताती हैं कि स्कूल की घंटी बजते ही वे ममतामयी मां से कुशल शिक्षिका बन जाती हैं। उनका कहना है कि वे सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं देतीं, बल्कि बच्चों के मन से अज्ञानता का अंधेरा मिटाती हैं। अनुशासन, नैतिक मूल्य और आत्मविश्वास के बीज बोकर उन्हें कल का बेहतर नागरिक बनाने का प्रयास करती हैं।

मालगाड़ियों से दौड़ा आगरा का कारोबार

पांच महीने में 12.82 लाख टन माल लादा, रेलवे को करोड़ों की कमाई

आगरा, एजेंसी। आगरा मंडल के कारोबार को मालगाड़ियों से नई गति मिल रही है। पिछले पांच महीनों में यहां से कुल 12.82 लाख टन माल लादा गया, जिसमें अकेले अगस्त माह में 2.93 लाख टन माल की लोडिंग शामिल है। अनाज की लोडिंग में सालाना 59.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि जून से अगस्त के बीच 100.5 मक्का रेक लोड किए गए हैं। जुलाई में 108 रेक लोड होने से रेलवे को 37.06 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

यमुना ब्रिज पर सीमेंट रेक प्रतिबंधित होने के बाद कारोबारियों को सहूलियत देने के लिए कुबेरपुर और कीठम को नए वैकल्पिक केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। कुबेरपुर में 42 करोड़ रुपये की लागत से मालगोदाम और 57.98 करोड़ रुपये से लूप व गुड्स लाइन बनाई गई है, जहां एक साथ दो रेक संभाली जा सकती हैं। कीठम में 35 करोड़ रुपये की लागत से मालगोदाम का निर्माण हुआ है जिसमें एक लाइन है, जबकि यमुना ब्रिज में पांच लाइनें हैं और तीन



रेक प्लेस हो सकती हैं।

विभिन्न केंद्रों पर माल उठान के लिए अलग-अलग समयसीमा तय की गई है, जिसमें कीठम में 72 घंटे तथा कुबेरपुर और यमुना ब्रिज में 12 घंटे का समय मिलता है। समय पर माल न उठाने की स्थिति में 75 रुपये प्रति वैगन शुल्क लगाया जाता है। कीठम और कुबेरपुर में मुख्य रूप से सीमेंट और अन्य सामग्री भेजी जा रही है, जबकि यमुना ब्रिज पर खाद्य तेल, नमक, खाद, आयरन कॉइल और रिफाइंड का आवागमन होता है। रेलवे प्रशासन द्वारा जल्द ही सभी मालगोदामों पर कारोबारियों के लिए वेइंग मशीन और मैकेनाइज्ड कन्वेयर से लोडिंग-अनलोडिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं और बढ़ाई जाएंगी।

कारोबारियों के लिए हैं पर्याप्त सुविधाएं

आगरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि सभी मालगोदामों पर कारोबारियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं हैं। भविष्य में सुविधाएं और बढ़ाई जाएंगी। अनाज की लोडिंग में सालाना 59.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

क्या होती है रेक

रेलवे की बोलचाल में रेक का मतलब मालगाड़ी के डिब्बों के पूरे सेट से होता है, जो एक इंजन के साथ मिलकर एक पूरी ट्रेन बनाते हैं। जब बहुत सारे मालगाड़ी के डिब्बों को आपस में जोड़कर सामान ले जाने के लिए तैयार किया जाता है, तो उस पूरी ट्रेन को एक रेक कहा जाता है।

संक्षिप्त समाचार

बावन बीघा तालाब की भूमि पर धड़ल्ले से हो रहा है अवैध कब्जा

▪ राजस्व विभाग के अधिकारी सिर्फ कार्रवाई के नाम पर किया नोटिस चस्पा

पूर्वांचल लाईफ/ धनंजय राय ब्यूरो भदोही। जनपद के नगर पंचायत सुरियावां स्थित बावन बीघा एवं सहुआइन तालाब तट पर धड़ल्ले से अवैध कब्जा हो रहा है। राजस्व विभाग के अधिकारी हैं कि कार्रवाई के नाम पर नोटिस चस्पा कर मौन हो गए हैं। अतिक्रमण होता रहा तो कुछ वर्ष बाद तालाब का वजूद ही समाप्त हो जाएगा। तालाब तट पर लोग टिन शेड रखने, पक्का निर्माण कराने के साथ ही नाद-खुटा रख अवैध कब्जा कर लिए हैं। इतना ही नहीं नगर पंचायत द्वारा भी तालाब तट पर सरकारी बोर्ड भी लगाया गया था। बावजूद इसके अवैध कब्जा करने का क्रम थम नहीं रहा है। तालाब की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर आए दिन लोगों में विवाद भी हो रहा है। सरकारी भूमि पर इसी तरह अतिक्रमण होता रहा तो तालाब का वजूद भी खत्म हो जाएगा। भदोही तहसील द्वारा चार माह पूर्व 40 लोगों को नोटिस जारी हुआ था। लेकिन अवैध कब्जा नहीं हट पाया।

उधर, एसडीएम भदोही अरुण गिरी ने बताया कि चार माह पूर्व करीब 40 लोगों को नोटिस जारी की गई है, कुछ लोगों द्वारा न्यायालय में वाद दाखिल हो गया है।

नई पीढ़ी को सनातन संस्कृति और श्रीराम के आदर्शों से जोड़े : डॉ हरवंश दीक्षित



पूर्वांचल लाईफ मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद में मुरादाबाद श्री रामलीला महा संगठन के तत्वावधान में रामायण मेला-2026 के अंतर्गत रविवार को रामगंगा विहार स्थित आरएसडी अकैडमी में चौपाई गायन प्रतियोगिता हुई। यह प्रतियोगिता दो आयु वर्ग में संपन्न हुई। 8 से 14 आयु वर्ग में प्रथम मौलिकशं रस्तोगी व निष्ठा शर्मा संयुक्त रूप से रहीं। द्वितीय यशस्वी शर्मा और तृतीय भक्ति रस्तोगी रहीं। 15 से 20 आयु वर्ग में प्रथम शिवानी दीक्षित, द्वितीय करिश्मा गौड व तृतीय नताशा रहीं। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में असम राज्यपाल के सलाहकार व उच्च शिक्षा आयोग उत्तर प्रदेश के पूर्व सदस्य डॉ हरवंश दीक्षित ने कहा कि चौपाई गायन जैसी प्रतियोगिताओं को कराने का उद्देश्य नई पीढ़ी को सनातन संस्कृति, श्रीराम के आदर्शों और रामायण के पवित्र वचनों से जोड़ना है। विशिष्ट अतिथि विधान परिषद सदस्य डॉ जयपाल सिंह व्यस्त ने कहा इस तरह प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को सनातन संस्कृति से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है। युवा पीढ़ी को सनातन ग्रंथों के विषय में ज्ञान उपार्जन, पढ़ने एवं समझने का भी अवसर मिल रहा हैं। श्री रामलीला महा संगठन के अध्यक्ष बाबा संजीव आकांक्षी ने कहा कि संस्था इतने वर्षों से निरंतर प्रयासरत हैं कि युवा पीढ़ी एवं हम सभी श्रीरामचरितमानस में मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्री राम द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलें। प्रतियोगिता का संचालन राजकुमार गोस्वामी, प्रमोद रस्तोगी, शिल्पी सक्सेना ने संयुक्त रूप से किया गया। निर्णायक मंडल में आदर्श भटनागर आदि रहे। इस अवसर पर संस्था के सतीश डॉ बृजपाल सिंह यादव, अनिल पाल सिंह, प्रत्यूष यादव, धवल दीक्षित, टीटू सैनी आदि उपस्थित रहे।

संभल सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या हुई छह



पूर्वांचल लाईफ संभल। उत्तर प्रदेश में संभल जिले के बहजोई कोतवाली क्षेत्र में रविवार को हुए सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर अब छह हो चुकी हैं। वहीं, डॉक्टरों ने और कई घायलों की हालत नाजुक बताई है। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सहित कई अधिकारियों ने घटना स्थल का जायजा लिया। बहजोई सीओ स्तुति सिंह ने बताया कि यह हादसा जिला मुख्यालय से दो किमी दूर बहजोई थाना क्षेत्र में आगरा-मुरादाबाद नेशनल हाईवे पर बमरेटा गांव के समीप सुबह 9 बजे हुआ। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सवारियों को लेकर एक टैम्पो जा रहा था। उसके आगे एक ट्राईसाइकिल चल रही थी, तभी अचानक सामने आए मौरंग लगे कैंटर को देखकर युवक ने ट्राइसाइकिल मोड़ दी। वहीं, चालक कुछ समझ नहीं पाया और टैंपो सहित सीधे कैंटर में जा टकराया। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने मृतकों की पहचान बहजोई थाना क्षेत्र में रहने वाले दीपक की छह माह की बेटी आराध्या और छह साल के बेटे ध्रुव , ध्रुव के मामा पुनीत की पत्नी रोहिणी (20), रुवेद (30), टैंपो चालक सौदान सिंह (40), और रामपाल (35) के रुप में की है। घायलों में पुनीत उसकी बहन भावना, बिट्टू बृजकिशोर समेत अन्य लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ ने बताया कि घटना के संबंध में पुलिस जांच कर रही है।

लबनिया-अमरवा संपर्क मार्ग पर जल जमाव से ग्रामीण और राहगीर परेशान

स्कूली बच्चे गिरकर हो रहे चोटिल, जिम्मेदारों की अनदेखी से बढ़ी परेशानी

पूर्वांचल लाईफ/मुन्ना राय



लबनिया,कुशीनगर। लबनिया-अमरवा संपर्क मार्ग पर लंबे समय से जल जमाव की समस्या बनी हुई है। सड़क पर पानी जमा होने के कारण ग्रामीणों, राहगीरों और स्कूली बच्चों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि पानी और कीचड़ के कारण आए दिन राहगीर तथा स्कूली बच्चे फिसलकर गिर रहे हैं और चोटिल हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश और गांव की नाली का पानी सड़क पर ही जमा हो जाता है। इससे सड़क पर जगह-जगह गढ्ढा बन गया है।इसमें पानी भर जाने से चारों तरफ कीचड़ फैल गया है ,और मार्ग से गुजरना मुश्किल हो गया है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों को उठानी पड़ रही है।ग्रामीणों ने बताया कि समस्या को लेकर कई बार जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया, लेकिन अभी तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। जल जमाव के कारण सड़क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराने, सड़क की मरम्मत कराने और जल जमाव की समस्या का स्थायी समाधान किए जाने की मांग की है।

शिक्षक दिवस पर सम्मानित हुए तमकुही के शिक्षक

पूर्वांचल लाईफ



सेवरही, कुशीनगर। शिक्षक दिवस के अवसर पर जिले एवं तहसील स्तर पर शनिवार को आयोजित सम्मान समारोह में तमकुही के शिक्षक सम्मानित हुए। सम्मानित होते ही इन शिक्षकों के चेहरे खिल गये। पीएम श्री विद्यालय बसडिला महंथ के शिक्षक अवधेश वर्मा, पूर्व माध्यमिक विद्यालय बभनौली की शिक्षिका अनिता भारती, प्रावि मठिया खुर्द के शिक्षक राजू सिंह, प्रावि कोईन्दी की शिक्षिका रीतू सिंह, प्रावि गंगुआ के शिक्षक हरिकेश पांडेय, प्रावि अमवा महंथ के शिक्षक मुनेन्द्र सिंह, कंपोजिट अमवा बुजुर्ग के शिक्षक अजय शुक्ला, पूमावि बरई पट्टी के सुरेन्द्र कुशवाहा आदि शिक्षक सम्मानित हुए। इन शिक्षकों के सम्मानित होने पर प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष शंभू यादव, मंत्री देवेन्द्र ओझा, कोषाध्यक्ष अमरनाथ यादव, पूमावि अध्यक्ष रामप्रकाश शर्मा, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ मंत्री अंजनी सिंह, राशैम अध्यक्ष संतोष गोड़, मंत्री नीतेश राय, टीएससीटी के जिला सह संयोजक अजय सिंह, अजय शर्मा, मिनहाज अहमद सिद्दिकी, नारायण प्रसाद, ज्ञानचंद तिवारी, राकेश प्रताप सिंह, विरेन्द्र कुशवाहा, राजेश प्रसाद, कृष्ण मुरारी पांडेय, कबीर आलम, बिजुली प्रसाद, हरिशंकर प्रसाद,आनंद सिंह, विजय बहादुर पांडेय, मुन्ना यादव, सत्यपाल विश्वकर्मा, घनश्याम प्रसाद, हारून रसीद सिद्दिकी, नंदकिशोर प्रसाद, कौशल किशोर गुप्ता, संजय सिंह, आलोक पटेल, सत्येन्द्र सिंह, राजबहादुर सिंह, प्रवीण वर्मा, आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

औराई में बुजुर्ग को मारी अज्ञात वाहन ने टक्कर, घायल

नेशनल हाईवे पर करते समय आए चपेट में, अस्पताल में भर्ती



पूर्वांचल लाईफ/ धनंजय राय ब्यूरो

भदोही। औराई क्षेत्र में रविवार को एक सड़क का हादसे में बुजुर्ग आ गया, जैयरामपुर में स्थित बुआ जी का इनारा के पास नेशनल हाईवे पार करते समय करीब 60 वर्ष बुजुर्ग अरुण कुमार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि अरुण कुमार नेशनल हाईवे पैदल पार कर रहे थे इसी दौरान वाराणसी से प्रयागराज की ओर जा रही एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए टक्कर मारने के बाद चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद आसपास के मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल बुजुर्ग का मदद किया। उन्होंने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी इसके बाद अरुण कुमार को उपचार के लिए औराई ट्रामा सेंटर ले जाया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस को भी सूचना दी गई पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश में अब जुटी हुई।।

शादी का झांसा देकर युवती को ले जाने का लगाया गया आरोप

चौरी थाना में मां के शिकायत पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा



इधर चौरी थानाध्यक्ष कुलदीप मिश्रा ने बताया कि महिला की दी हुई तहरीर पर दोपहर में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, पुलिस लड़की और लड़के के बारे में जानकारी जुटा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वांचल लाईफ/ धनंजय राय ब्यूरो

भदोही। चौरी थाना क्षेत्र में एक युवक पर 19 साल की युवती को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले जाने का युवती की मां ने आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 26 मार्च 2026 को दोपहर करीब 12:00 युवक उनकी बेटी को बहला फुसलाकर ले गया उन्होंने पुलिस से इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार लड़की और लड़के के बीच काफी समय से प्रेम प्रसंग का मामला चल रहा था दोनों परिवार को इसकी जानकारी नहीं थी परिवार के लोगों ने उन्हें समझाने और इस रिश्ते से दूर रहने की कोशिश की थी, लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद लड़की के लड़के के साथ चले जाने की बात सामने आई है।

संगोष्ठी में गुरु शिष्य संबंधों की मजबूती पर जोर



पूर्वांचल लाईफ/ मुन्ना राय

▪ शिक्षक की समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका: दिनेश कुमार वर्मा

कसया, कुशीनगर। बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित लिन्ह सन बुद्धिस्ट इंटरमीडिएट कालेज में शिक्षक दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में गुरु शिष्य संबंधों की मजबूती पर जोर दिया गया। शनिवार की सायं को आयोजित कार्यक्रम में मां सरस्वती एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रबंधक दिनेश कुमार वर्मा ने कहा कि शिक्षक की समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उन्हें संस्कार, अनुशासन और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने गुरुजनों का सम्मान करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान बच्चों ने अपने गुरुजनों को उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस दौरान प्रधान लिपिक देवेंद्र कुमार सिंह, रमेश सिंह, दिलीप शर्मा, संजय, आलोक कुमार गौतम, नौशाद, मिस खुशी, मिस अर्चना, जिया प्रवीन, सब्बू, प्रिया शर्मा, सना, डिम्पल, काव्य सिंह, आकांक्षा पाण्डेय, मैनेजर सिंह, अर्चना गुप्ता, ममता यादव सहित छात्र और छात्रा मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस पर गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम के तहत छात्रों व गुरुजनों को किया गया सम्मानित

पूर्वांचल लाईफ



पडरौना। भारत विकास परिषद तथागत शाखा के द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरु वंदन छात्र अभिनंदन कार्यक्रम के तहत जनपद के विभिन्न स्कूलों में शिक्षकों छात्रों को परिषद के पदाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। परिषद के द्वारा आयोजित गुरु वंदनन छात्र अभिनंदन अभियान के तहत हनुमान इंटर कॉलेज पडरौना में परिषद के अध्यक्ष प्रदीप चहाड़िया , विपिन मल्ल सचिव , प्रधानाचार्य शैलेंद्र दत्त शुक्ला ,प्रबंधक मनोज शर्मा सारस्वत ने रियल पैराडाइस एकेडमी पडरौना में परिषद के श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव श्रीमती विनीता गुप्ता , प्रधानाचार्य डॉक्टर सुनीता पांडेय ,प्रबंधक/संगठन सचिव डॉ नीरेन पांडेय द्वारा, जिंदल पब्लिक स्कूल रविंद्र नगर उपाध्यक्ष सतीश जिंदल संजय मारोदिया सहसचिव, सीएमडी श्रीमती मीनू जिंदल,प्रधानाचार्य राकेश त्रिपाठी, नेहरू इंटरमीडिएट कॉलेज मनसा छापर मार्कंडेय गौतम प्रकल्प प्रमुख गुरु वंदन छात्र अभिनंदन मदन मोहन पांडेय, प्रधानाचार्य साधु शरण पांडेय, रघुनाथ प्रसाद हायर सेकेंडरी स्कूल कुबेरस्थान दुर्गा दयाल तिवारी प्रकल्प प्रमुख भारत को जानो, शैलेश कुमार उपाध्याय मीडिया प्रभारी/ग्रा प ए जिलाध्यक्ष, प्रधानाचार्य विनोद मणि त्रिपाठी, ग्रा प ए उपाध्यक्ष मुकेश नाथ तिवारी, तपेश्वरी विद्या मंदिर पडरौना में शैलेंद्र दत्त शुक्ला परिषद के उपाध्यक्ष , मनोज शर्मा सारस्वत उपाध्यक्ष ने शिक्षकों छात्रों को सम्मानित किया।

मिशन शक्ति टीम की तत्परता से मानसिक रूप से अस्वस्थ युवती परिजनों से मिली

पूर्वांचल लाईफ/ मुन्ना राय



तुर्कपट्टी, कुशीनगर। थाना क्षेत्र के नोनिया पट्टी चौराहे पर मानसिक रूप से अस्वस्थ अवस्था में घूम रही एक युवती को तुर्कपट्टी पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने सकुशल उसके परिजनों तक पहुंचाया। पुलिस की संवेदनशील पहल से युवती सुरक्षित अपने परिवार के पास पहुंच सकी। जानकारी के अनुसार, 5 सितंबर को पीआरवी के माध्यम से सूचना मिली कि नोनिया पट्टी चौराहे पर करीब 25 से 30 वर्ष की एक युवती भटक रही है। युवती अपनी पहचान और पता स्पष्ट रूप से नहीं बता पा रही थी। सूचना मिलते ही मिशन शक्ति टीम मौके पर पहुंची और युवती को सुरक्षा की दृष्टि से थाने ले आई। थाने पर टीम ने युवती से धैर्य और संवेदनशीलता के साथ बातचीत की। लगातार प्रयास के बाद युवती ने टूटे-फूटे शब्दों में अपना नाम गुलशन आरा पुत्री मोहम्मद शहाबुद्दीन आलम तथा निवासी सोरहवा, थाना विशुनपुरा, कुशीनगर बताया। पुलिस टीम ने बताए गए पते का सत्यापन कराया और परिजनों से संपर्क किया। इसके बाद युवती के पिता को थाने बुलाकर आवश्यक सत्यापन के उपरांत उसे सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया। मिशन शक्ति टीम की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता की इस कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

सीसीटीवी कैमरे से लैस होगा पिशाचमोचन कुंड,बनेगा ओपन जिम





पूर्वांचल लाइफ संतोष कुमार सिंह

▪ नगर आयुक्त ने तीन कुंडों का किया निरीक्षण,दिए आवश्यक निर्देश
▪ पौराणिक जलस्रोतों का अस्तित्व बचाने व सुंदरीकरण के लिए नगर निगम गंभीर
▪ राम कुंड में बनेगी नई आरसीसी दीवार, पितरकुंडा पर लगेगा नया गेट

वाराणसी। शहर के पौराणिक जलस्रोतों, तालाबों,कुंडों व कुओं के अस्तित्व को बचाने और उनके जीर्णोद्धार को लेकर नगर निगम के पूरी तरह गंभीर है। जलस्रोतों को संरक्षित करने के दृष्टि से पौराणिक कुंडों के पानी के शोधन और सफाई के साथ-साथ उनके सुंदरीकरण का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। पिशाचमोचन कुंड की सुरक्षा व जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तालाब के किनारे प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे और आम जनमानस के स्वास्थ्य के लिए ओपन जिम स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इस क्रम में रविवार को नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने पिशाचमोचन कुंड,पितरकुंडा तालाब और राम कुंड तालाब का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को कुंडों पर चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की और सभी अधूरे कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के सख्त निर्देश दिए इस दौरान नगर आयुक्त ने पिशाचमोचन कुंड पर ओपन जिम, सीसीटीवी और लाइटें लगाने के निर्देश दिए,वहीं राम कुंड परिसर में पूर्व में क्षतिग्रस्त हुई दीवार के स्थान पर मजबूत आरसीसी दीवार के निर्माण, रेलिंग की मरम्मत और पेंटिंग कराने को कहा। इसके साथ ही पितरकुंडा तालाब पर भव्य प्रवेश द्वार (गेट) के निर्माण, रेलिंग लगाने, पेंटिंग और समूचे परिसर में नियमित साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। इस मौके पर क्षेत्रीय पार्षद सिंधु सोनकर सहित नगर निगम के कई वरिष्ठ अधिकारी व प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ममहर,गिर्दबड़ागांव में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का सीएमओ ने किया निरीक्षण

जन आरोग्य मेले का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को निशुल्क और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं कराना है उपलब्ध

पूर्वांचल लाईफ/ धनंजय राय ब्यूरो



भदोही। जिले के सीएमओ ने अस्पतालों में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं, मरीजों की जांच और मिलने वाली मुफ्त दवाओं की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। ममहर,गिर्दबड़ागांव में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का सीएमओ ने रविवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण में सभी कर्मचारी उपस्थित पाई गई। गिर्दबड़ागांव की एएनएम द्वारा बताया गया कि आज आशा आई थी और 3.00 बजे चली गई,आंगनवाड़ी कार्यकर्ती नही आई थी। सीएमओ डॉ संतोष कुमार चक ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि स्वाइन फ्लू से बचाव हेतु आए हुए मरीजों का इलाज करते हुए बचाव के संबंध में भी जानकारी उपलब्ध कराया जाए साथ ही अस्पताल परिसर में साफ सफाई की व्यवस्था पर भी ध्यान दिया जाए। और साथ ही हिदायत दी कि ड्यूटी में किसी स्तर से लापरवाही की शिकायत मिली तो जांच कर सख्त कार्रवाई होना तय है। तो वही सीएमओ के ममहर निरीक्षण में 68 ओ पी डी एवं 13 जांचे अस्पताल में मौके पर हुई थी,

सीएमओ डॉक्टर संतोष कुमार चेक ने कहां कि मुख्यमंत्री जन आयोग्य मेले का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को निशुल्क और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी, उन्होंने मौके पर मौजूद चिकित्सकों और और कर्मचारीयों को मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की हिदायत भी दी।।

संक्षिप्त समाचार

श्याम बाबा के भव्य पंडाल में मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

▪ भजन-कीर्तन के बीच देर रात 12 बजे हुआ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव, भक्तों ने जमकर लगाए जयकारे



पूर्वांचल लाइफ पंकज जयसवाल शाहगंज। नगर के जौनपुर रोड स्थित निहारिका एलीट बैग के शोरूम के बगल में श्री श्याम बाबा का भव्य पंडाल सजाकर जन्माष्टमी के पावन पर्व पर विशेष धार्मिक कार्यक्रम एवं भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। पूरे पंडाल को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जहां दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।कार्यक्रम का शुभारंभ समाज सेविका खुशबू जायसवाल एवं उनके हमसफर ऋषिराज जायसवाल ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं श्याम बाबा की आरती के साथ किया। आरती के पश्चात श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में माथा टेककर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर खुशबू जायसवाल ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पंडाल के समस्त कार्यकर्ताओं को मंच पर अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज को एकता, सेवा और आस्था के सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं और ऐसे आयोजनों में सभी का सहयोग सराहनीय है। कार्यक्रम के दौरान प्रसिद्ध भजनों की प्रस्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु श्याम बाबा के भजनों पर झूमते, नाचते और जयकारे लगाते नजर आए। देर रात तक भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का विशेष आयोजन किया गया। जैसे ही श्रीकृष्ण जन्म का क्षण आया, पूरा पंडाल "नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की" के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देकर पर्व की खुशियां साझा कीं। आयोजन को सफल बनाने में मुख्य रूप से रंजीत अग्रहरि, अक्षत अग्रहरि, अंश अग्रहरि, सोनू जायसवाल, यश अग्रहरि सहित समस्त नगरवासियों का विशेष सहयोग रहा। वहीं मनोज अग्रहरि एवं राजकमल जायसवाल का विशेष सहयोग रहाकार्यक्रम में निहारिका जायसवाल, तनु जायसवाल, ज्योति जायसवाल, निवेदिता, मोना जायसवाल, विशाल जायसवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नगरवासी उपस्थित रहे। धार्मिक आस्था, सेवा और सामाजिक सहभागिता से सजा यह आयोजन देर रात तक श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा।

अमित तिवारी के समर्थन में बढ़ा अधिवक्ताओं का रुझान

▪ वरिष्ठ, युवा एवं महिला अधिवक्ताओं के बीच मजबूत प्रत्याशी के रूप में बना रहे पहचान — क्रम संख्या 3 पर समर्थन की अपील



पूर्वांचल लाइफ जौनपुर। सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन, जौनपुर के कार्यकारिणी सदस्य पद के चुनाव में अमित तिवारी एडवोकेट को लेकर अधिवक्ता समाज में समर्थन का माहौल लगातार मजबूत होता दिखाई दे रहा है। क्रम संख्या-3 से चुनाव मैदान में उतरे अमित तिवारी को वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ-साथ युवा एवं महिला अधिवक्ताओं का भी समर्थन मिलने की बात सामने आ रही है। अमित तिवारी एडवोकेट अपनी शालीनता, सरल व्यवहार, सभ्यता एवं अधिवक्ता हितों के प्रति समर्पण को अपनी पहचान बनाकर अधिवक्ता बंधुओं के बीच संपर्क कर रहे हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि वे सभी वर्ग के अधिवक्ताओं के बीच सहजता से संवाद स्थापित करते हैं और अधिवक्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से समझने तथा उनके समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का विश्वास दिला रहे हैं। चुनावी संपर्क अभियान के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ताओं, युवा अधिवक्ताओं एवं महिला अधिवक्ताओं से मिल रहे समर्थन से अमित तिवारी का आत्मविश्वास बढ़ा है। अधिवक्ता समाज के बीच उन्हें मजबूत, कर्मठ एवं व्यवहारकुशल प्रत्याशी के रूप में देखा जा रहा है।अमित तिवारी एडवोकेट ने सभी सम्मानित अधिवक्ता बंधुओं से विनम्र अपील करते हुए कहा कि सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन, जौनपुर के कार्यकारिणी सदस्य पद पर क्रम संख्या-3 पर अपना बहुमूल्य मत एवं समर्थन प्रदान कर उन्हें भारी मतों से विजयी बनाएं। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता हित, सम्मान एवं एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना उनका संकल्प है। अमित तिवारी एडवोकेट सन्दहाँ, मानीकलाँ, शाहगंज, जौनपुर के मूल निवासी हैं। चुनावी माहौल में उनके बढ़ते जनसंपर्क और मिल रहे समर्थन ने उन्हें कार्यकारिणी सदस्य पद के प्रमुख दावेदारों में शामिल कर दिया है।

पारिवारिक विवाद में दो गिरफ्तार, शांति भंग में चालान



पूर्वांचल लाइफ/मनीष यादव खेतासराय। जनपद में चलाये जा रहे अपराध व अपराधियों के रोकथाम अभियान के तहत खेतासराय पुलिस टीम ने रविवार को पारिवारिक विवाद के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर शांति भंग में कार्यवाही की। पुलिस ने दोनों के खिलाफ धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत चालान कर संबंधित न्यायालय भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजकुमार बिंद पुत्र स्व. हरिलाल एवं संतोष यादव पुत्र रामदुलार यादव, निवासी फरीदपुर के रूप में शामिल हैं । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अजय कुमार यादव, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र गिरी और कांस्टेबल शैलेश कुमार शामिल रहे।थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

शिक्षक दिवस पर एक पेड़ गुरु के नाम छात्रों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पूर्वांचल लाइफ/ मनीष यादव





पीयू,जौनपुर। डिजिटल युग में जब विद्यार्थी ज्ञान के लिए गूगल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का सहारा ले रहे हैं ऐसे समय में गुरु का सम्मान करना अपने आप में बड़ी बात है। गूगल और एआई भले ही ज्ञान उपलब्ध करा सकते हैं लेकिन गुरु ज्ञान के साथ विद्यार्थियों के भीतर संस्कार,अनुशासन और जीवन मूल्यों का संचार करते हैं। इसी भाव को चरितार्थ करते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के छात्रों ने शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एक पेड़ गुरु के नाम के तहत पौधरोपण कर गुरु के प्रति सम्मान के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान गुरु की महत्ता पर चर्चा करते हुए संत कबीर की प्रसिद्ध पंक्तियां भी याद की गईं गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूँ पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय। छात्रों ने कहा कि गुरु केवल किताबी ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं,बल्कि एक कुम्हार की तरह होता है जो मिट्टी के समान विद्यार्थी को अपने अनुभव,अनुशासन और संस्कारों से आकार देकर योग्य नागरिक बनाता है। गुरु विद्यार्थी के व्यक्तित्व को निखारकर उसे जीवन में सही दिशा दिखाता है। इस दौरान छात्रों ने शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि बदलते तकनीकी दौर में सूचना के साधन भले ही बढ़ गए हों लेकिन विद्यार्थी के जीवन में गुरु का स्थान आज भी सर्वोच्च है पौधरोपण के माध्यम से छात्रों ने गुरु के प्रति अपनी श्रद्धा को प्रकृति संरक्षण से जोड़कर एक सकारात्मक संदेश दिया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष मनोज मिश्रा, डॉ सुनील कुमार, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ चंदन सिंह, सुरेंद्र कुमार, रक्षित प्रताप सिंह, सोनम विश्वकर्मा, सुमित सिंह, दिव्यांशु सिंह,आशीष यादव, सलोनी, अनुराग सिंह,पृथ्वीराज सिंह, दुर्गेश, कन्हैया यादव, सौरभ यादव,अन्य छात्र मौजूद रहें।

आपसी विवाद में युवक पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला, सिर में गंभीर चोट; एक आरोपी गिरफ्तार

पूर्वांचल लाइफ



बरसठी (जौनपुर)। थाना क्षेत्र के परियत बाजार में शनिवार की रात आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। घटना में परियत गांव निवासी विकास सिंह के सिर में गंभीर चोटें आईं। हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद रविवार को उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।एक आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। समर बहादुर सिंह ने पुलिस से शिकायत किया कि मेरा बेटा विकास सिंह शनिवार रात 10 बजे परियत बाजार कंपोजिट शराब की दुकान के पास खड़ा था, किसी बात को लेकर विकास सिंह को सुबास गौड़ अनिल गौड़ आशीष गौड़ व अतुल गौड़ ने लाठी डंडे से बुरी तरह पिटाई करने लगे जिससे विकास सिंह के सिर में गहरी चोट लग गई और बेहोश हो गया। घटना की जानकारी होने पर स्वजन उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रविवार को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मारपीट जानलेवा हमला करने का मुकदमा दर्ज किया। रविवार को एक आरोपित आशीष गौड़ को गिरफ्तार कर चालान कर दिया।

कूड़े के ढेर और चोक नालियों से परेशान युवाओं ने उठाया फावड़ा

पूर्वांचल लाइफ/इज़हार हुसैन



जौनपुर। जफराबाद सिरकोनी क्षेत्र के कबूलपुर गांव में सफाईकर्मी के न आने से गांव के युवाओं ने खुद गांव की सफाई करने का बीड़ा उठाया है। एक युवा को नाली साफ करता देख कई लोग इस अभियान से जुड़ गए। विकास खंड सिरकोनी की ग्राम पंचायत कबूलपुर में सफाई के लिए एक सफाईकर्मी तैनात है। लेकिन वह अक्सर गायब रहता है, जिससे गांव में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। गांव की नालियां भी सफाई के अभाव में चोक पड़ी हैं। घरों से निकलने वाला गंदा पानी रास्तों में बह रहा था, जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही थी। गंदगी से भरी गलियों के कारण संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ रहा था। गांववालों ने इस बारे में प्रधान से कई बार शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। सफाई की मांग को लेकर ग्रामीणों ने हर स्तर पर कोशिश की, पर कोई फायदा नहीं मिला। इसके बाद गांव के अरसलान ने सफाई का जिम्मा उठाया और रविवार को अभियान शुरू किया। अरसलान को सफाई करते देख अमन खान, रहमान खान, शाद खान और मोहम्मद जैसे अन्य ग्रामीण भी फावड़ा लेकर नालियों और रास्तों की सफाई में जुट गए। इस तरह पूरा गांव साफ हो गया।

चार माह से सड़क पर जमा गंदा पानी, संक्रमण का खतरा बढ़ा

पूर्वांचल लाइफ

▪ कीचड़ भरे रास्ते से स्कूल जाने को मजबूर बच्चे, कई बार शिकायत के बाद भी नहीं हुआ समाधान; ग्रामीणों ने दी जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन की चेतावनी





जौनपुर। विकासखंड शाहगंज (सोंधी) के धौरइल गांव के उत्तरपुरा में पिछले करीब चार माह से सड़क पर गंदा पानी जमा होने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क पर जगह-जगह जलभराव और कीचड़ है। ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से जमा दूषित पानी के कारण संक्रमण फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों के मुताबिक उत्तरपुरा में करीब 200 घरों की आबादी है। गांव के लोगों के अलावा आसपास के कई पुरवों के ग्रामीण भी इसी रास्ते से आवागमन करते हैं। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का दावा है कि प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालय समेत क्षेत्र के विभिन्न कान्वेंट स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 250 से अधिक बच्चे प्रतिदिन इसी रास्ते से होकर गुजरते हैं। सड़क पर कई जगह पानी इतना अधिक जमा है कि बच्चों के जूते-चप्पल कीचड़ में फंस जाते हैं और वे गिरकर घायल या स्कूल ड्रेस खराब होने के कारण परेशान हो जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार बच्चे रास्ते से वापस घर लौटने को मजबूर हो जाते हैं। महिलाओं और बच्चों को भी गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है।

शिकायतों के बाद भी नहीं निकला समाधान –ग्रामीणों का आरोप है कि जलभराव की समस्या को लेकर जनप्रतिनिधियों से लेकर ब्लॉक स्तर और जिला अधिकारियों तक कई बार शिकायत की जा चुकी है। मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन अब तक जल निकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि चार माह से सड़क पर जमा पानी के कारण कई लोग बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। यदि जल्द पानी की निकासी नहीं कराई गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर सड़क से गंदे पानी की निकासी और जलभराव की समस्या का समाधान नहीं कराया गया तो वे जिला मुख्यालय पहुंचकर प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मौके का निरीक्षण कर जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है।

3100 मीटर पाइप समेत निर्माण सामग्री में हेराफेरी, दो पर मुकदमा

पूर्वांचल लाइफ

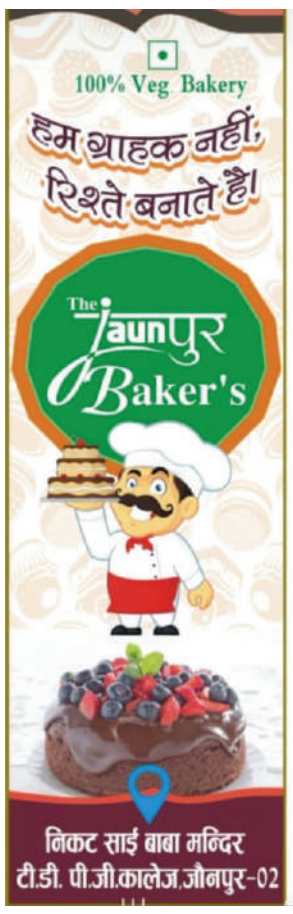
बरसठी (जौनपुर)। जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने और पानी की टंकी निर्माण का कार्य कराने वाली कंपनी की निर्माण सामग्री में हेराफेरी कर उसे बेचने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कंपनी संचालक ने आरोपितों पर पांच लाख रुपये की मांग करने और धमकी देने का भी आरोप लगाया है। दाउदपुर लोटियां गांव निवासी अनिल कुमार सिंह के अनुसार एलएलपी कंपनी की ओर से मछलीशहर तहसील क्षेत्र के जरौना, करियावं, भिदुना और जमुहर में जल जीवन मिशन के तहत कार्य कराया जा रहा है। आरोप है कि कंपनी में कार्यरत कर्मचारी सुशील कुमार सिंह निवासी करियावं और उसके सहयोगी राजदेव सिंह ने कंपनी की 3100 मीटर पाइप, 1740 किलोग्राम सरिया और 434 बैग सीमेंट अपने कब्जे में रख लिया। आरोप है कि निर्माण सामग्री में से कुछ सामान खुले बाजार में बेच दिया गया। शिकायतकर्ता के मुताबिक, 19 अगस्त 2026 को जब उन्होंने आरोपितों से सामान वापस करने को कहा तो दोनों ने कथित तौर पर पांच लाख रुपये की मांग की। आरोप है कि रुपये नहीं देने पर जान से मारने और मजदूरों को क्षेत्र में काम नहीं करने देने की धमकी दी गई।मामले में अनिल कुमार सिंह की तहरीर पर पुलिस ने सुशील कुमार सिंह और राजदेव सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

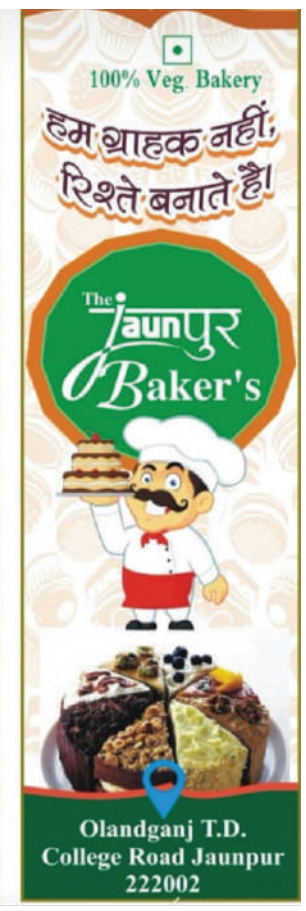
आर. के. इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज में धूमधाम से संपन्न हुआ विदाई समारोह

पूर्वांचल लाइफ पंकज जायसवाल



शाहगंज (जौनपुर)। आर. के. इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज, शाहगंज, जौनपुर के प्रांगण में अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं के सम्मान में एक भव्य विदाई समारोह (फेयरवेल पार्टी) का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान की चेयरमैन उषा दुबे एवं प्राचार्य मिस्टर शजीवु के. के. द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर विधिवत रूप से किया गया। समारोह में जूनियर विद्यार्थियों द्वारा सीनियर्स के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें स्वागत गीत, मनमोहक नृत्य और प्रेरणादायक नाटकों ने उपस्थित जनसमूह की खूब तालियां बटोरीं। इस दौरान अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने संस्थान में बिताए अपने अनुभवों और यादों को मंच से साझा किया। कार्यक्रम के विशेष आकर्षण के रूप में विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं के आधार पर छात्र-छात्राओं को मिस्टर एवं मिस फेयरवेल के खिताब व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. जे. पी. दुबे (आर्थोपेडिक सर्जन) ने कहा कि "नर्सिंग और पैरामेडिकल का क्षेत्र केवल एक पेशा नहीं, बल्कि पीड़ित मानवता की सेवा का सबसे पवित्र मार्ग है।" उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव के साथ अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने का संदेश दिया। संस्थान के प्राचार्य मिस्टर जीवु के. के. ने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि संस्थान से प्राप्त ज्ञान, नैतिक मूल्य और व्यावहारिक कौशल जीवन के हर मोड़ पर उन्हें एक सफल स्वास्थ्यकर्मी के रूप में स्थापित करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संस्थान के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर स्टाफ का विशेष योगदान रहा। इस दौरान मुख्य रूप से डॉ सत्य प्रकाश अस्थाना, मज्जूषा मधु, डॉ विपिन कुमार यादव, डॉ वसीम अहमद, गीता राव, प्रियंका पाल, आतिफ सर, लक्ष्मी यादव, सोनम यादव, बबिता, प्रतिमा, चांदनी, अनुराग सर, संतोष सर, संदीप सर, सानिया सहित कॉलेज के समस्त फैकल्टी सदस्य, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में प्राचार्य द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया और राष्ट्रगान व सामूहिक प्रीतिभोज के साथ समारोह का समापन हुआ।





सुमित्रा चिकित्सालय
डा0 पी0के0 कश्यप
बी.एच.एम.एस.
रसूलाबाद (खुरचनपुर) जौनपुर
मो. 7897542236

मुद्रक तथा प्रकाशक स्वतंत्र कुमार द्वारा स्वामी स्वतंत्र कुमार के पक्ष में स्टेट मीडिया प्रिंटर्स, आराजी नंबर 661, परगना मौजा तरना, शिवपुर वाराणसी से मुद्रित तथा 47 धरनीधरपुर, अहियापुर जौनपुर से प्रकाशित।
संपादक - स्वतंत्र कमार, मो.- 9415287970, 8052940083, **RNI No. UP/HIN/ 2026/6518**, Email-Id:purvanchalife@gmail.com. समस्त विवादों का निस्तारण जौनपुर न्यायालय में होगा।